ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखा –पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष षष्ठी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : कदर किरदार की होती है, वरना कद में तो साया भी इंसान से बड़ा होता है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

ज्यादातर एक्जिट पोल ने महाराष्ट्र, झारखंड में भाजपा गठबंधन को बढ़त का अनुमान जताया

नयी दिल्ली : महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलने की संभावना जताई गई है। हालांकि 'एक्सिस माई इंडिया' के सर्वेक्षण में झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीट पर बुधवार को मतदान हुआ, वहीं झारखंड में दूसरे और अंतिम चरण में 38 सीट के लिए वोट डाले गए। झारखंड में पहले चरण में 43 सीटों पर 13 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ था। दोनों राज्यों में मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गठबंधन 'महायुति' तथा कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के बीच मुकाबला है। झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) तथा 'इंडिया' गठबंधन के बीच मुकाबला है। राजग में भाजपा, आजसू, जनता दल (यूनाइटेड) तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल है जबकि 'इंडिया' गठबंधन के घटक में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शामिल है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, महायुति को 150–170 तथा एमवीए को 110–130 सीट मिल सकती हैं। 'लोकशाही मराठी–रुद्र' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि महाराष्ट्र में महायुति 128–142 सीट हासिल करके एक बार सत्ता में बरकरार रह सकती है।

झारखंड विधानसभा चुनाव

कुल सीट 81 | बहुमत 41

सर्वे एजेंसी	NDA	INDIA	अन्य
भास्कर रिपोटर्स पोल	37-40	36-39	0-2
न्यूज 18-मैट्रिज	42-47	25-30	1-4
P-MARQ	31-40	37-47	00
चाणक्य स्ट्रैटजीज	45-50	35-38	3-5
पीपुल्स पल्स	44-53	25-37	5-9
टाइम्स-नाउ-JVC	40-44	30-40	1
एक्सिस माइ इंडिया	25	53	03
सी वोटर्स	36	26	19
पोल ऑफ पोल्स	33-42	30-39	2-6

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

सीटें 288 | बहुमत 145

सर्वे एजेंसी	महायुति	महाविकास आघाड़ी	अन्य
भास्कर रिपोटर्स पोल	125-140	135-150	20-25
न्यूज 18-मैट्रिज	150-170	110-130	8-10
P-MARQ	137-157	126-146	2-8
चाणक्य स्ट्रैटजीज	152-160	130-138	6-8
पीपुल्स पल्स	175-195	85-112	7-12
इलेक्टोरल एज	118	150	20
पोल डायरी	122-186	69-121	12-29
रिपब्लिक	137-157	126-146	2-8
लोकशाही मराठी रुद्र	128-142	125-140	18-23
एसएएस ग्रुप	127-135	147-155	10-13
लोक पोल	115-128	151-162	5-14
पोल ऑफ पोल्स	135-157	123-140	10-15

एमवीए को 125–140 सीट तथा अन्य को 18–23 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। 'पी–मार्क' के एग्जिट पोल में अनुमान लगाया गया है कि महायुति को 137–157 तथा एमवीए को 126–146 सीट हासिल हो सकती हैं। 'पीपुल्स प्लस' के सर्वेक्षण का आकलन है कि महायुति 175–195 सीट हासिल करके प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी। वहीं, एमवीए को 85–112 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। 'मैट्रिज' के एग्जिट पोल में कहा गया है कि झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 42–47 सीट हासिल करके अपनी सरकार बनाएगा तथा सत्तारूढ़ झामुमो–कांग्रेस–राजद गठबंधन को 25–30 सीट से संतोष करना पड़ेगा। 'पीपुल्स प्लस' के सर्वेक्षण के अनुसार, झारखंड में राजग को 44–53 सीट तथा 'इंडिया' गठबंधन को 25–37 सीट हासिल हो सकती हैं। 'एक्सिस माई इंडिया' के सर्वेक्षण में झारखंड में झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन को 53 सीट जबकि भाजपा नीत राजग को 25 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है।

सीबीएसई की दसवीं, बारहवीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी

नयी दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने की बुधवार को घोषणा की। देर शाम जारी अधिसूचना में बोर्ड ने बताया कि 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त होंगी, जबकि 12वीं की परीक्षाएं चार अप्रैल को संपन्न होंगी। ऐसा पहली बार हुआ है, जब बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम कम से कम 86 दिन पहले जारी किया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि दो विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतराल रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसी छात्र द्वारा चुने गए दो विषयों की परीक्षा एक ही तिथि पर न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा गया है।

भारत की आबादी में 2050 तक 35 करोड़ बच्चे होंगे, उनके भविष्य को सुरक्षित करने की जरूरत: यूनिसेफ

नयी दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2050 तक 35 करोड़ बच्चे होंगे तथा उनके कल्याण और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए देश को जलवायु की चरम स्थिति और पर्यावरणीय खतरे जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत में अभी की तुलना में बच्चों की संख्या में 10.6 करोड़ की कमी आएगी, लेकिन फिर भी यह चीन, नाइजीरिया और पाकिस्तान के साथ वैश्विक बाल आबादी के 15 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करेगा। यूनिसेफ की 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2024' रिपोर्ट बुधवार को नयी दिल्ली में जारी की गई जिसका शीर्षक 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रन इन ए चेंजिंग वर्ल्ड' है। इसमें तीन वैश्विक प्रवृत्तियों– जनसांख्यिकीय बदलाव, जलवायु संकट और अग्रणी प्रौद्योगिकियों को रेखांकित किया गया है, जो 2050 तक बच्चों के जीवन को नया आकार देने में भूमिका निभा सकती हैं।

अब वक्फ बिल के खिलाफ विधानसभा में विधेयक लाने की तैयारी में है ममता सरकार

निंदा प्रस्ताव नहीं बल्कि जवाबी बिल लाने की तैंयारी में हैं तृणमूल

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। पता चला है कि इस सत्र के दौरान ममता सरकार ने वक्फ बिल के खिलाफ विधानसभा में विधेयक पेश करने की योजना बनाई है। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ बिल को लेकर मोदी सरकार की आलोचना पहले ही कर चुकी हैं। तृणमूल इसका विरोध शुरू से कर रही है और पार्टी के राज्यसभा में मुख्य सचेतक नदीमुल हक और श्रीरामपुर के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी को मुस्लिम मतदाताओं के बीच इस मुद्दे को उठाने जिम्मा सौंपा रखा है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में केंद्र द्वारा वक्फ बिल पेश किए जाने पर उसके खिलाफ पहले निंदा प्रस्ताव लाने की चर्चा थी। परंतु, बदली हुई परिस्थिति में ममता सरकार प्रस्ताव नहीं बल्कि जवाबी विधेयक लाकर केंद्र सरकार को उत्तर देना चाहती हैं। लिहाजा, इस मसले पर विधानसभा सचिवालय और राज्य के कानून एवं संसदीय विभाग के बीच चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा का सारांश मुख्यमंत्री को भी बता दिया गया है। हालांकि, स्पीकर बिमान बनर्जी ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। पिछले हफ्ते जब उनसे वक्फ मुद्दे पर सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक के बाद ही इस बारे में कुछ कहना संभव होगा। हालांकि, स्पीकर कुछ नहीं कहना चाहते थे, लेकिन केंद्र के वक्फ बिल के जवाबी बिल को लेकर तृणमूल विधायक दल को हरी झंडी मिल चुकी है। इसीलिए मामले को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार को शोक प्रस्ताव पढ़ने के बाद विधानसभा का सत्र स्थगित कर दिया जाएगा। सत्ता पक्ष मंगलवार और बुधवार को विधानसभा में संविधान दिवस पर चर्चा का प्रस्ताव लाएगा। चर्चा का दौर खत्म होने के बाद ही राज्य वक्फ से जुड़ा बिल लाएगा। तृणमूल विधायक दल के सूत्रों के मुताबिक, वक्फ बिल विधानसभा में अल्पसंख्यक विधायक पेश कर सकते हैं या नहीं। मामला भाजपा के कानों तक पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा विधायक वक्फ से जुड़े बिल पर चर्चा में हिस्सा लेंगे और केंद्र सरकार के पक्ष में बयान पेश करेंगे।

भारत कैरेबियाई देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने को इच्छुक : प्रधानमंत्री मोदी

जॉर्जटाउन (गुयाना) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत कैरेबियाई देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने को इच्छुक है। मोदी बुधवार को गुयाना पहुंचे और कहा कि उनकी यह यात्रा ''दोनों देशों के बीच मित्रता को प्रगाढ़ करेगी।'' यह 50 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की गुयाना की पहली यात्रा है। मोदी ने कहा कि भारत–कैरिकॉम शिखर सम्मेलन से भारत के साथ कैरेबियाई देशों का आर्थिक सहयोग, कृषि और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, तथा विज्ञान और नवाचार जैसे क्षेत्रों में संबंध मजबूत होने की उम्मीद है। कैरिकॉम (कैरेबियाई समुदाय और साझा बाजार) एक क्षेत्रीय समूह है। कैरिकॉम के शासनाध्यक्षों और प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मुलाकात 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 74वें सत्र से इतर हुई थी, जहां उन्होंने भारत से 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन में सहयोग के तौर–तरीकों पर चर्चा की थी। मोदी का हवाई अड्डे पर गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली, उनके समकक्ष मार्क एंथनी फिलिप्स और 12 से अधिक कैबिनेट मंत्रियों ने स्वागत किया जबकि होटल में ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डिकॉन मिशेल और बारबाडोस की मिया अमोर मोटली से उनकी मुलाकात हुई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 60 प्रतिशत मतदान

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बुधवार को अनुमानित तौर पर 60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है। वहीं, महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव की तरह राज्य के इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर राज्य की सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रहा है। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि ये आंकड़े अस्थायी हैं। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में 61.74 प्रतिशत मतदान हुआ था। नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में बुधवार को 69.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि वित्तीय राजधानी मुंबई में 51.41 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनाव में मुंबई में मतदान का आंकड़ा 50.67 प्रतिशत था। महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 विधानसभा सीट पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ और लोगों ने 1,00,186 बूथ पर 4,100 से अधिक उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जो 2019 के चुनाव में बनाए गए बूथ की संख्या से अधिक है। वर्ष 2019 में 96,654 बूथ थे। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

झारखंड विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में 68 प्रतिशत मतदान हुआ

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे और अंतिम चरण के चुनाव में 38 निर्वाचन क्षेत्रों में बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच करीब 68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

तलाक याचिका लंबित रहने के दौरान पत्नी ससुराल जैसी सुविधाएं पाने की हकदार: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि तलाक की याचिका लंबित रहने के दौरान पत्नी को उसी तरह की सुविधाएं पाने का अधिकार है जो उसे ससुराल में मिलतीं। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने केरल के एक हृदयरोग विशेषज्ञ से अलग रह रहीं उनकी पत्नी को दिए जाने वाले अंतरिम गुजारा भत्ता को बढ़ाकर 1.75 लाख रुपये प्रति महीने कर दिया। उच्च न्यायालय ने अंतरिम गुजारा भत्ता कम कर दिया था। कुटुम्ब अदालत ने चिकित्सक की पत्नी को 1.75 लाख रुपये अंतरिम गुजारा भत्ता दिए जाने का आदेश दिया था, वहीं मद्रास उच्च न्यायालय ने इस राशि को घटाकर 80,000 रुपये प्रति माह कर दिया था। पीठ ने कहा, ''उच्च न्यायालय ने प्रतिवादी (पति) की आय के संबंध में कुछ पहलुओं की अनदेखी की है जिस पर कुटुम्ब अदालत ने विचार किया था। यह भी संज्ञान में है कि अपीलकर्ता कामकाजी नहीं हैं और उन्होंने शादी के बाद अपनी नौकरी छोड़ दी थी।'' उसने कहा, ''अपीलकर्ता अपनी ससुराल में कुछ खास सुविधाओं की अभ्यस्त हो गई थी और इसलिए, तलाक याचिका के लंबित रहने के दौरान, वह उन्हीं सुविधाओं को पाने की हकदार है, जिनकी वह अपनी ससुराल में हकदार होती।''

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के डिजिटलीकरण से 5.8 करोड़ फर्जी राशन कार्ड हटाये गये: सरकार

नयी दिल्ली : केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार के व्यापक स्तर पर डिजिटलीकरण के प्रयास से देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में काफी बदलाव आया है और 5.8 करोड़ फर्जी राशन कार्ड को रद्द किया गया है। इससे वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए नये मानक स्थापित हुए हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि 80.6 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान करने वाली पीडीएस प्रणाली में सुधार के तहत आधार के जरिये सत्यापन और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपने ग्राहक को जानें (ई–केवाईसी) की व्यवस्था से 5.8 करोड़ नकली राशन कार्ड हटाए जा सके हैं। बयान के अनुसार, ''इन प्रयासों के परिणामस्वरूप गड़बड़ी में काफी कमी आई है और लक्षित लोगों तक पहुंच में वृद्धि हुई है।'' मंत्रालय के अनुसार, लगभग सभी 20.4 करोड़ राशन कार्ड को डिजिटल कर दिया गया है। इनमें से 99.8 प्रतिशत आधार से जुड़े हैं और 98.7 प्रतिशत लाभार्थियों की पहचान का सत्यापन बायोमेट्रिक माध्यम से किया गया है। बयान के अनुसार, देशभर में उचित मूल्य की दुकानों पर 5.33 लाख ई–पीओएस (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल) उपकरण लगाये गये हैं। इसके जरिये खाद्यान्न वितरण के दौरान आधार के जरिये सत्यापन करने के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि राशन का वितरण सही व्यक्ति तक हो।

भारत, चीन के रक्षा मंत्रियों ने लाओस में की वार्ता, पारस्परिक विश्वास बहाली के लिए काम करने पर सहमत

नयी दिल्ली : भारत और चीन ने बुधवार को पारस्परिक विश्वास एवं समझ की बहाली के लिए एक रोडमैप की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की। इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ वार्ता के दौरान 2020 के ''दुर्भाग्यपूर्ण सीमा संघर्षों'' से सीख लेने का आह्वान किया। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात लाओस की राजधानी विएंतियाने में हुई। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब कुछ सप्ताह पहले ही भारतीय और चीनी सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में दो अंतिम टकराव स्थलों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष पारस्परिक विश्वास और समझ की बहाली के लिए एक रोडमैप की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमत हुए। इसने कहा कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का वैश्विक शांति और समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने जी–20 शिखर सम्मेलन से इतर रियो डी जेनेरियो में बातचीत की जिसमें भारत–चीन संबंधों में ''अगले कदमों'' पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करने, सीधी उड़ानों और मीडिया आदान–प्रदान जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्ष इस बात पर भी सहमत हुए कि विशेष प्रतिनिधियों और सचिव–उपमंत्री तंत्र की बैठक भी शीघ्र ही होगी। सिंह ने दोंग के साथ अपनी बैठक में संघर्ष के बजाय सहयोग पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh
"Knee replacement can bring you back to normalcy, when done with precision" - Dr Santosh Kumar

प्रश्न– नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है?

डॉ. संतोष ने बताया कि नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों के लिए कई चीजे मायने रखती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण होता है सर्जन की विशेषज्ञता और अनुभव। सर्जन और उनकी टीम का कौशल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेशक इस्तेमाल किया जाने वाला इम्प्लांट भी अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता का होना चाहिए। लेकिन, मशीन के पीछे उसे चलाने वाला आदमी है, जो ज्यादा मायने रखता है। सर्जरी के बाद अच्छे नर्व ब्लॉक्स और अन्य मल्टी–मॉडलिटी के माध्यम से दर्द नियंत्रण करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है। सर्जरी के बाद व्यायाम स्वास्थ्य लाभ में तेजी लाता है और उत्साह को बढ़ाता है। इन सबके के साथ मरीज का रवैया भी बहुत महत्वपूर्ण है। मरीज की सकारात्मक सोच उसे ठीक करने में काफी अहम भूमिका निभाता है।

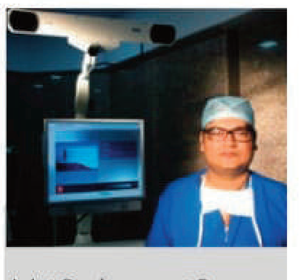

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar with world's latest Navigation System Orthopilot

प्रश्न– नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?

डॉ. संतोष ने बताया कि इस्तेमाल किए जाने वाले इम्प्लांट अंतरराष्ट्रीय स्तर का होना चाहिए और लंबे समय तक फॉलोअप करना चाहिए। न्यू इम्प्लांट से बचना चाहिए। हम लंबे जीवन के लिए लो कांटेक्ट स्ट्रेस फ्लेक्सिबल इम्प्लांट का उपयोग करते हैं। टिबियल प्लेट आमतौर पर टाइटेनियम से बनी होती है। इम्प्लांट के दौरान स्ट्रेस को संतुलित रखने बहुत जरूरी है। यह अनिवार्य रूप से एक अनुभव सर्जन द्वारा किया जाना चाहिए। अच्छी सिमेंटेशन तकनीक बहुत महत्वपूर्ण है जो इम्प्लांट को हड्डी में ठीक करता है, जो फिर से सर्जन पर ही निर्भर करता है।

प्रश्न–ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत किसे होती है?

डॉ. संतोष जब किसी व्यक्ति को चलने फिरने में परेशानी आने लगे। घुटनों में दर्द होने का आरथ्राइटिस भी एक प्रमुख कारण होता है, और जब ये दर्द दैनिक जीवन की गतिविधियों को

प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो उसे नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत होती है।

प्रश्न– ज्वाइंट रिप्लेसमेंट करवाने की सही उम्र क्या है?

डॉ. संतोष उम्र के अनुसार जब रोजमर्रा के काम करने में परेशानी आने लगे तो उसे, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए। ज्वाइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक कठिन हो जाती है और रिकवरी में भी देरी होती है। लेकिन हां, जरूरत से पहले ज्वाइंट रिप्लेसमेंट करवाना भी नहीं चाहिए।

प्रश्न– रिप्लेसमेंट इम्प्लांट कितने सालों तक रहती है?

डॉ. संतोष नी–रिप्लेसमेंट इम्प्लांट ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है। अनसीमेंटेड हिप इम्प्लांट अधिक समय तक चलता है।

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 25000+Patients in 15+Years

हिंसा रोकना केंद्र व राज्य की प्राथमिकता हो

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है।

विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर-खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था। लेकिन यह गंभीर बात है कि पिछले डेढ़ वर्ष में राज्य के भीतर अवैध प्रवास, जमीन, जंगल, हथियारों की तस्करी व नशे के कारोबार में खासी तेजी आयी है। यहां तक कि म्यांमार से अवैध घुसपैठ की घटनाएं भी सामने आई हैं। निस्संदेह, इस संकट के तमाम आयाम हैं, जिसकी संवेदनशीलता को देखते हुए इस मसले के शीघ्र समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। संकट इस बात का भी है कि यह संघर्ष पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी फैल सकता है। हाल के वर्षों में म्यांमार व बांग्लादेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के चलते पृथकतावादियों को शह मिल सकती है, जो कालांतर भारत में कानून व्यवस्था के लिये संकट पैदा कर सकते हैं। यदि हम पूर्वोत्तर के इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि पूर्वोत्तर में सामुदायिक संरचना बेहद जटिल और संवेदनशील रही है। इससे हिंसा का सिलसिला लंबा खिंच सकता है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार की कोशिश हो कि संकट का राजनीतिक व सामाजिक समाधान निकाला जाए ताकि समुदायों में सामंजस्य से हिंसा को टाला जा सके।

आज का पंचांग

कोलकाता : 21 नवम्बर, गुरुवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, कार्तिक कृष्णपक्ष षष्ठी, 17:09 तक, नक्षत्र : पुष्य, 15:37 तक, योग : शुक्ला, 11:56 तक, सूर्योदय: 5:53, सूर्यास्त: 16:52 चन्द्रोदय : 22:09, चन्द्रास्त: 11:00, शक सम्वत: 1946 क्रोधी, सूर्य राशि : वृश्चिक, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 12:43 से 14:04

राशिफल

मेष : आज परीक्षा अथवा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े लोगों को उनके लेखन के लिए अपने बॉस से सराहना प्राप्त होगी। विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि कम रहेगी।

वृष : आज अधीनस्थ से शुभ समाचार मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा किसी अभिन्न मित्र के सहयोग से दूर होगी। व्यापार में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में अधीनस्थ से घनिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन : आज माता से अकारण मतभेद उभर सकते हैं। किसी भूमि संबंधी कार्य में विलंब होने से मन खिन्न रहेगा। राजनीति में आपको अपेक्षित जन सहयोग मिलेगा।

कर्क : आज आपकी मधुर वाणी एवं सादगी पूर्ण व्यवहार लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। राजनीति में जोशपूर्ण एवं प्रभावी भाषण के लिए आपको उच्च पद मिलेगा।

सिंह : आज आपको सामान्य सुख सहयोग प्राप्त होने की संभावना रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सोच समझकर निर्णय लें। अधिक जल्दबाजी में विशेष रूप से कार्य क्षेत्र के संबंध में कोई बड़ा निर्णय न लें।

कन्या : आज का दिन आपके लिए सामान्य लाभ उन्नति दायक रहेगा। दिन के पूर्वाद में स्थित कुछ सकारात्मक रहेगी। दिन की उत्तरस में स्थिति संतोषजनक होने की कम संभावना रहेगी।

तुला : आज आपको कोई शुभ समाचार मिलेगा। नए व्यापार की शुरुआत अच्छी होगी। नौकरी में अपने कार्यशैली की चर्चा का विषय बनी रहेगी। व्यापारिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी।

वृश्चिक : आज कोई अप्रिय समाचार मिल सकता है।किसी बने बनाए महत्वपूर्ण कार्य में अकारण विघ्न आ सकता है। किसी अज्ञात भय से भयभीत बने रहेंगे।

धनु : आज आपका भाग्य साथ देगा। आपको जिस कार्य के सफल होने का जरा सा भी आभास नहीं होगा वह कार्य चुटकियों में पूर्ण हो जाएगा। आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर : आज परिजनों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा। नौकरी में मनचाहे स्थान पर पदोन्नति होगी। नौकरी के लिए दिए गए साक्षात्कार एवं परीक्षा में सफलता मिलेगी। व्यापारिक योजना सफल होगी।

कुम्भ : आज कुछ उतार-चढ़ाव युक्त समय रहेगा। नौकरी में कोई विरोधी षड्यंत्र रच सकता है। सजग व सावधान रहें। परिस्थितियां कुछ प्रतिकूल रहेगी।

मीन : आज आध्यात्मिक कार्य में अभिरुचि रहेगी। अपने इष्ट की भक्ति में लीन रहेंगे। कार्य क्षेत्र में धैर्य एवं संयम पूर्वक कार्य करें। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी।

मंदिरों के सांस्कृतिक पक्ष को विकसित करना समय की मांग

अशोक प्रवृद्ध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में असम के गुआहाटी में कामाख्या मंदिर गलियारा परियोजना के शिलान्यास के अवसर पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि आजादी के बाद सत्ता में रहे लोग पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके और उन्होंने राजनीतिक वजहों से अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। कोई भी देश अपना इतिहास मिटाकर प्रगति नहीं कर सकता। केंद्र सरकार द्वारा 498 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे कामाख्या मंदिर गलियारा परियोजना पर उन्होंने कहा कि इसके तैयार हो जाने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस शक्ति पीठ में आएंगे और इससे पूरे पूर्वोत्तर के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। यह पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बन जाएगा। हजारों वर्षों की चुनौतियों के बावजूद हमारी संस्कृति और खुद को हमने कैसे संरक्षित रखा है, यह इस बात के प्रतीक हैं। हमारी मजबूत संस्कृति का हिस्सा रहे इनमें से कई प्रतीक आज-कल खंडहर बन गए हैं। कामाख्या दिव्यलोक परियोजना इस शक्ति पीठ की तीर्थयात्रा के अनुभव को बिल्कुल पलट देगी।

इसमें कोई शक नहीं कि 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लंबे समय तक सरकार चलाने वाले लोग ऐसे धर्म स्थलों का महत्व नहीं समझ सके और उनकी उपेक्षा की। राजनीतिक लाभ के कारण उन्होंने अपनी ही संस्कृति और गौरवमयी इतिहास पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। स्वतंत्र भारत ने ही वह दिन भी देखा, जब देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जहां सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार का खुला विरोध कर रहे थे, वहीं देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद खुला समर्थन कर रहे थे। कोई भी देश अपने इतिहास को भुलाकर तथा मिटाकर और अपनी जड़ों को काटकर विकसित नहीं हो सकता है। लेकिन स्वतंत्र भारत में सरकार की शह पर हर वह कोशिश की गई, जिससे हिन्दू गरिमा को ठेस पहुंचे, भारतीय अस्मिता को तार -तार किया जा सके, भारतीय संस्कृति को बेबुनियाद किया जा सके, भारतीय सत्य इतिहास को मिटाया जा सके। स्वतंत्र भारत के रहनुमाओं ने अपना अंतिम दांव खेलते हुए मंदिरों के दान और धन को सरकारी पहरे में रख दिया। इस तरह अब चाहकर भी मंदिर अपने धन का उपयोग अपनी मर्जी से नहीं कर सकते हैं। न सिर्फ मंदिरों के धन पर सरकारी नियंत्रण हो गया, बल्कि वामपंथियों और इस्लामिक संस्थाओं को मंदिरों में होने वाली वार्षिक आय का ब्यौरा दे दिया गया, जिसका उपयोग वे सनातन धर्मियों को अपने धर्म के खिलाफ भड़काने के लिए अक्सर करते हुए पाए जाते हैं। वर्तमान में भारत सरकार के बाद सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड और इसाई मिशनरियों के पास है। विदेशों से संदिग्ध रूप से सबसे ज्यादा चंदा ईसाई मिशनरियों और इस्लामिक संस्थाओं के पास आता है। लेकिन सरकार को इन पर नियंत्रण करना जरूरी नहीं लगा। जहां राजनीतिक दल अपने पार्टी को मिलने वाले चंदे का हिसाब और खर्च पर सरकारी नियंत्रण नहीं रखते, वहीं उन्हें मंदिरों को दान में प्राप्त धन पर ही सरकारी नियंत्रण की क्या ऐसी आवश्यकता आन पड़ी? लेकिन पिछले 10 वर्ष में स्थिति बदली है। 2014 में केंद्र की सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार की नीति विरासत स्थलों के विकास और संरक्षण की है। विरासत के विकास पर सरकार के फोकस से देश के युवाओं को व्यापक लाभ हुआ है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल में, 8.5 करोड़ लोगों ने काशी की यात्रा की, पांच करोड़ से अधिक ने उज्जैन में महाकाल लोक के दर्शन किए और 19 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने केदारधाम के दर्शन किए। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के केवल 12 दिनों में ही अयोध्या में 24 लाख से अधिक पर्यटक आए। ऐसे विरासत स्थलों पर तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ने से सबसे निर्धन तबके के लोगों की आजीविका को भी बढ़ावा मिलता है।

अतिप्राचीन काल से ही संस्कृति निर्माण और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में मंदिरों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारतीय समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के निर्माण में मंदिरों की भूमिका शरीर में सांस की तरह रही है। मंदिरों में ही वेद- वेदांग की व्याख्या के साथ ही भारतीय संगीतकला, नृत्यकला, आयुर्वेद, युद्धकला, वास्तु, शिल्प व मूर्तिकला विकसित, पोषित हुई है। भारतीय जनमानस में मंदिरों का महत्व केवल एक देवस्थान अथवा पूजा-पाठ के केंद्र के रूप में नहीं रहा है, मंदिरों में ज्ञान- विज्ञान, ज्योतिष, खगोल, आयुर्वेद आदि की शिक्षा भी दी जाती थी। मंदिर एक तरह के बैंक का भी काम करते थे। लोगों के जीवन में मंदिर का महत्व होने के कारण मंदिरों में भी विविधता थी।। इसी विविधता की देन थी कि आगे चलकर जो भी देवस्थान थे वहीं शिक्षा के भी केंद्र उन्नत हुए। लेकिन विगत कुछ शताब्दियों में मंदिर की यह भूमिका कम होती गई और अब मंदिर केवल उपासना और पूजा-अर्चना स्थल रह गए हैं। और अपनी सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने की भूमिका को निभाने में अत्यंत सीमित हो गए है। भारतीय धर्मों अर्थात बहुसंख्यक हिन्दुओं के उपासनास्थल अर्थात अराधना और पूजा-अर्चना के लिए निश्चित की हुई जगह अथवा देवस्थान ही अब मंदिर कहे, समझे जाते हैं। किसी आराध्य देव के प्रति ध्यान या चिन्तन करने अथवा प्रतिमादि रखकर पूजा-अर्चना किए जाने वाले स्थल ही अब मंदिर रह गए हैं। सातवीं -आठवीं शताब्दी से शंकराचार्य के काल में प्रारंभ हुई मठ परंपरा का भी यही हाल है, जिसमें किसी सम्प्रदाय, धर्म या परम्परा विशेष में आस्था रखने वाले शिष्य, आचार्य या धर्मगुरु द्वारा अपने सम्प्रदाय के संरक्षण और संवर्द्धन के उद्देश्य से धर्म ग्रन्थों पर विचार विमर्श अथवा व्याख्या किए जाते हैं। ऐसे में मंदिरों के अपनी सामाजिक व सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने की भूमिका को निभाने में अत्यंत सीमित होते जाने के पीछे के कारणों को समझे जाने की आवश्यकता है। गए है। और इनके विविध आयामों को चिह्नित कर फिर से इनको जीवित करने की कोशिश की जाए। संस्कृति निर्माण और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में मंदिरों की भूमिका को फिर से बढ़ाया जाना चाहिए। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा अयोध्या, काशी विश्वनाथ समेत देश के अनेक मंदिरों के जीर्णोद्धार में जुटने आदि कारणों से मंदिर आज विमर्श के केंद्र में है। मंदिरों के सांस्कृतिक पक्ष को विकसित करना समय की मांग बनकर रह गई है।

भारतीय मूर्तिकला में निर्मित पेड़-पौधों से लेकर कई देवी-देवता विभिन्न मंदिरों में स्थापित हैं। मध्य प्रदेश में खजुराहो और उड़ीसा के कोणार्क का सूर्य मंदिर आदि इसी उत्कृष्टता के साक्षात उदाहरण हैं। शास्त्रीय संगीत कला के विकास के स्थल भी मंदिर ही रहे हैं। भारतीय संस्कृति में नटराज भगवान शिव एवं देवी सरस्वती को संगीत की प्रेरणा माना गया है। धार्मिक- आध्यात्मिक पहलूओं के कारण संगीत को एक उच्च कला माना गया है। प्राचीन काल में ऋषि -मुनि मंदिरों में गुरुकुल आश्रम संचालित किया करते थे, जहां बच्चों को संस्थागत तौर पर शिक्षा और विद्या प्रदान दी जाती थी। इन्हीं स्थलों में स्थित व्यायाम शालाओं में युद्धकलाओं और धनुर्विद्या की दीक्षा भी दी जाती थी। प्राचीन काल में मंदिरों में बीमारों के इलाज के लिए चिकित्सालय भी संचालित किए जाते थे। धन्वंतरि और चरक जैसे आयुर्वेदाचार्यो द्वारा प्रेरित चिकित्सा विद्या का प्रसार मंदिरों में बने चिकित्सालयों में होता था। मंदिर स्थापत्य व वास्तुकला में नागर, द्रविड़ व कई अन्य शैली का विकास हुआ है। मंदिरों को जंगलों के बीच भी निर्मित किया गया है। मंदिरों को पर्वतों को काटकर चट्टानों पर भी निर्मित किया गया है। मंदिर सामुदायिक रसोई, विवाह स्थल व पर्व-त्योहारों के लिए सामाजिक व आर्थिक मिलन के केंद्र प्रारंभ से ही रहे हैं। लेकिन आततायी विदेशी इस्लामी हमलों, मंदिरों के ध्वंस और ब्रिटिश शासन के उदय के पश्चात विभिन्न तरह के लाइसेंस व कानूनी प्रावधानों के आने से मंदिरों की सामाजिक व सांस्कृतिक भूमिका सीमित हो गई है। भारतीय उपमहाद्वीप में विदेशी सत्ता के शासन में संगीत व नृत्य में मनोरंजन ढूंढा गया। परिणामस्वरूप संगीत व नृत्य की आध्यात्मिकता सीमित हो गई। मुगल काल में मध्य-पूर्व से आए ईरानी व सूफ़ी संगीत को प्रश्रय मिला। इससे मंदिरों के स्थापत्य और वास्तुकला तथा मूर्तिकला को भी क्षति पहुंची। ब्रिटिश शासन काल में संगीत और नृत्य में भौतिकता व व्यावसायिकता बढ़ गई, जबकि इसके आध्यात्मिक पक्ष को कमतर कर दिया गया। इस्लाम और इसाईयत काल में मंदिरों के आध्यात्मिक पक्ष को कम करने का हरसंभव प्रयास किया गया। जिससे मंदिरों में नृत्य व संगीत का संस्थागत विकास रुका। मंदिरों में चलने वाली गुरुकुल व्यवस्था भी बंद हो गई। शिक्षण संस्थानों को चलाने के लिए धन न मिलने से बड़ी संख्या में गुरुकुल बंद हुए और जो बंद न हुए, उन्हें अंग्रेजों ने कानून बना गुरुकुल पद्धति पर प्रतिबंध लगाकर और सरकारी सेवा में अंग्रेजी शिक्षा को अनिवार्य बनाकर बंद कर दिया। परिणामस्वरूप भारतीय गुरुकुल शिक्षा पद्धति की जगह पश्चिमी स्कूली पद्धति ने ले ली। पारंपरिक आयुर्वेद पर चलने वाले चिकित्सालय भी पश्चिमी चिकित्सा के कारण सीमित हो गए एवं कई कानून व नियम बनाकर अनेक बीमारियों के इलाज में पारंपरिक पद्धति में रोक लगा दी गई। मूर्तिकला तो इस तरह सीमित हुई कि पूर्व में राज संरक्षण में पोषित होने वाले मूर्तिकार सड़क किनारे मूर्तियां बनाकर जीवनयापन करने को विवश हो गए। मंदिरों के स्थापत्य में अब पहाड़ अथवा चट्टान काटकर मंदिर बनाने की खबर तो समाचार पत्रों में भी नहीं मिलते। नागर और द्रविड़ शैली की जगह भी उपलब्ध स्थान के आधार पर मंदिर निर्माण पर केंद्रित नई उपजी नगरीय शैली ने ले ली है। स्पष्ट है कि मंदिरों की सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने की भूमिका सीमित हो गई, परिणामस्वरूप मंदिर केवल उपासना स्थल रह गए। वर्तमान परिवेश में बहुत सीमित स्तर पर कुछ बड़े मंदिरों में सामूहिक रसोईघर व चिकित्सालय चलाए जा रहे हैं। पर्व व त्यौहार के समय सामाजिक मिलन व आर्थिक केंद्र के रूप में मंदिर आज भी अपनी युक्तियुक्तता बनाए हुए हैं। लेकिन वेद व वैदिक ग्रंथों के पठन- पाठन, शोध- अनुसंधान, संगीत, नृत्य, शिक्षण, स्थापत्य, वास्तु, शारीरिक रक्षा, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में मंदिरों की भूमिका नगण्य हो गई है। ऐसे में वर्तमान नेतृत्व द्वारा प्रयास होना चाहिए कि मंदिरों के इन सांस्कृतिक पक्षों को पुनर्जीवित करने की रणनीति पर कार्य कर भारतीय संस्कृति और सभ्यता के नए आयामों को विकसित किया जाए।

अब बुद्धू बक्सा नहीं रहा टेलीविजन

डॉ घनश्याम बादल

आज के समय में देश और दुनिया का शायद ही कोई ऐसा शहर, गांव या घर होगा जहां पर टेलीविजन की उपस्थिति न हो । आज हमारी दिनचर्या में टेलीविजन देखना एक अपरिहार्य हिस्सा बन चुका है । कह सकते हैं कि जो टेलीविजन के संपर्क में नहीं है वह आज की दुनिया के भी संपर्क में भी नहीं है और ऐसे लोगों को पिछड़ा माना जाता है । आज बड़ों से लेकर बच्चों तक जब आपस में मिलते हैं तो टेलीविजन का जिक्र किसी न किसी संदर्भ में ज़रूर आता है ।

अब टेलीविजन के बारे में तो सब जानते हैं पर शायद यह बहुत कम लोग जानते होंगे कि 21 नवंबर को पूरी दुनियाभर में टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। आज टेलीविजन संचार और वैश्वीकरण का प्रतीक है जो हमें शिक्षित करता है, सूचित करता है, मनोरंजन करता है और हमारे निर्णयों और विचारों को प्रभावित करता है।

मजे की बात यह है कि आज के इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किसी जाने-माने वैज्ञानिक ने नहीं किया अपितु 1927 में, फिलो टेलर फ़ार्नस्वर्थ नामक 21 वर्षीय जर्मन आविष्कारक ने दुनिया का पहला इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न बनाया जो 14 साल की उम्र तक बिना बिजली के घर में रहा था । अपनी पढ़ाई के दौरान हाई स्कूल में ही, उसने एक ऐसी प्रणाली के बारे में सोचना शुरू किया जो चलती हुई तस्वीरों को कैप्चर कर सके, उन्हें एक कोड में बदल सके और फिर उन छवियों को रेडियो तरंगों के साथ अलग-अलग डिवाइस पर भेज सके। वह पारंपरिक टेलीविज़न सिस्टम से कई साल आगे था क्योंकि उसकी संरचना इलेक्ट्रॉनों की एक किरण का उपयोग करके चलती हुई छवियों को कैप्चर करती थी। फ़ार्नस्वर्थ ने बाद में अपने टेलीविज़न का उपयोग करके एक डॉलर के चिह्न की छवि को प्रसारित किया, जब एक साथी आविष्कारक ने पूछा हम इस चीज़ से कुछ डॉलर कब देखेंगे? तब उनमें से किसी को भी नहीं पता था कि टेलीविज़न वैश्विक सूचना के प्रसार को बढ़ावा देने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस का प्रतीक बन जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न से पहला प्रसारण चार्ल्स फ्रांसिस जेनकिंस द्वारा निर्मित थ3दघ नामक प्रथम यांत्रिक टीवी स्टेशन ने किया।

1996 में 21 और 22 नवंबर को, संयुक्त राष्ट्र ने पहला विश्व टेलीविजन फोरम आयोजित किया। यहाँ, प्रमुख मीडिया हस्तियाँ तेज़ी से बदलती दुनिया में टेलीविज़न के बढ़ते महत्व पर चर्चा और इस बात पर विचार करने के लिए मिलीं कि वे अपने आपसी सहयोग को कैसे बढ़ा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के नेताओं ने माना कि टेलीविज़न संघर्षों की ओर ध्यान आकर्षित कर सकता है, शांति और सुरक्षा के लिए खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकता है और सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने तब टेलीविज़न को सूचना देने, चैनल बनाने और जनमत को प्रभावित करने के एक प्रमुख उपकरण के रूप में स्वीकार किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 नवंबर को विश्व टेलीविज़न दिवस का नाम दिया ।

अब तो आपको पता है कि 21 नवंबर को टेलीविजन दिवस है तो फिर इस दिवस

टेलीविजन दिवस पर विशेष

को कैसे मनाया जाए इसके लिए लिए सोचते हैं कुछ नया।

शेयर करें पसंदीदा टीवी पल टेलीविज़न पर बहुत कुछ ऐसा है जिसे देखकर आप खुश हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर जाएं और अपने पसंदीदा टेलीविज़न पल के बारे में लिखें, चाहे वह पिछले हफ़्ते हुआ हो या 20 साल पहले।अपने पसंदीदा लोगों को टीवी डिनर के लिए आमंत्रित करें और साथ ही अपना पसंदीदा कार्यक्रम देखें।

खूब मज़े करोहो सकता है कि आप टीवी देखने से इसलिए परहेज करते हों क्योंकि आपको लगता है कि आपको कुछ काम करने चाहिए? यह दिन आपके लिए ही बना है! कुछ आरामदायक स्वेट पहनें, अपने लिए पॉपकॉर्न बनाएं और अपने पसंदीदा शो के एक के बाद एक एपिसोड देखें। अगर आपको इस तरह की आरामदेह गतिविधि पर कोई अपराधबोध महसूस होता है, तो खुद को याद दिलाएँ कि आप अपने कार्यों से संयुक्त राष्ट्र के आदर्शों का समर्थन कर रहे हैं - या इस मामले में निष्क्रियता डेविड एटनब्रो की 2016 की डॉक्यूमेंट्री श्रृंखला दुनिया भर में प्रकृति की खोज करती है और यह नाजुक वर्णन और आश्चर्यजनक दृश्यों से भरपूर है। और भी ऐसे अनेक कार्यक्रम हो सकते हैं जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार देख सकते हैं पर बेहतर हो कुछ सार्थक देखें। ऐसे ही कुछ सार्थक सीरियल्स हैं

प्लैनेट अर्थमूल प्लैनेट अर्थ का फिल्मांकन 2006 में किया गया था और यह मूलतः प्लैनेट अर्थ 2 जैसा ही था, लेकिन फुटेज को कैप्चर करने वाली तकनीक थोड़ी पुरानी थी। भाइयों का बैंडयुद्ध ड्रामा लघु श्रृंखला 1942 से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक 101वीं एयरबोर्न डिवीजन की 506वीं रेजिमेंट, ईज़ी कंपनी की कहानी पर केंद्रित है। ब्रेकिंग बैड यह नाटक एक रसायन विज्ञान शिक्षक की कहानी है, जिसे पता चलता है कि उसे कैंसर है और वह मेथ-निर्माण व्यवसाय में जाने का निर्णय लेता है। चेरनोबिल यह लघु श्रृंखला 1986 में चेरनोबिल में हुई परमाणु आपदा और उसके बाद किए गए सफाई प्रयासों को कवर करती है। यह कार्यक्रम तो महा जे महज सुझाव के लिए हैं दुनिया भर के टेलीविजन कार्यक्रमों की सूची उठाकर देखेंगे तो आपको अपनी पसंद के एवं सार्थक कार्यक्रमों की एक लंबी श्रृंखला मिल जाएगी तो अगर समय है और मन भी है तो टेलीविजन दिवस पर यह कार्यक्रम देख सकते हैं। ज्यादा टेलीविजन देखने के अपराध बहुत से ग्रस्त होने की आपका आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में, औसतन लोग प्रतिदिन 3.5 घंटे टेलीविजन देखते हैं। चाहे वह समाचार हो, खेल हो, संगीत कार्यक्रम हो, शो हो या फ़िल्में हों, हम मनोरंजन और जानकारी के लिए टेलीविजन का सहारा लेते हैं। मनोरंजन के रूप में टेलीविजन केवल संयुक्त राज्य अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर में लगभग 610 मिलियन दर्शक हैं। यह जानना कि इसके उच्च उद्देश्यों के लिए एक दिन समर्पित है, हमें दिन के अंत में थोड़ा टीवी देखने के अपने निर्णय के बारे में बेहतर महसूस कराता है। एक समय टेलीविजन का मतलब लिविंग रूम में रखा हुआ वह बॉक्स होता था जो रेडियो तरंगें प्राप्त करता था और छवियों को प्रसारित करता था। वे दिन चले गए हैं। टेलीविजन अब कोई भी सिस्टम है जो ध्वनि और छवियों को प्रसारित करता है और स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है। यह अभी भी डेन में बड़ी स्क्रीन हो सकती है, लेकिन यह आपके डेस्कटॉप, लैपटॉप या फोन को भी संदर्भित करती है।

जब तक वे कार्यक्रमों तक पहुँच रहे हैं, वे निष्पक्ष खेल हैं! अपने कई नवाचारों के साथ, टीवी मनोरंजन और सूचना का एक स्रोत है जिसे हम प्रतिदिन एक्सेस करते हैं। यदि चाहें तो आप सोशल मीडिया पर जाएं और अपना पसंदीदा टेलीविज़न शो, न्यूज़ प्रोग्राम या नेटवर्क टाइप करें और आपको ढेरों कमेंट, लाइक और शेयर मिलेंगी। इसलिए चाहे आपकी रुचि वॉकिंग डेड में किसकी मृत्यु हुई या फेस द नेशन में राष्ट्रपति के साथ साक्षात्कार में हो, वर्चुअल दुनिया में एक पूरा समुदाय है जिसके साथ आप गपशप कर सकते हैं। वैसे भारत में पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक टेलीविजन देखना पसंद नहीं करते पर नई पीढ़ी किसी भी माध्यम से टेलीविजन देखने से छुट्टी भी नहीं है शायद दोनों के अपने-अपने आदर्श एवं जीवन शैलियों हैं। पर ,यह तो सच है कि न तो आज के युग में टेलीविजन से कट कर चला जा सकता है और साथ ही साथ यदि हम अपना सारा समय टेलीविजन को ही दे देंगे तो यह भी घातक हो सकता है।

वर्ग पहेली नं. 2923

1		2	■	■	3		4	■	5
	■	6	7			■	8		
9				■	10	11	■	■	
■	■		■	12				13	
14					■		■		■
	■	■	■	15	16	■	17		
18		19	20	■	21	22		■	■
	■	23		24	■	25		26	27
28			■	29			■	30	

बायें से दायें:- 1) आघात चिराव; छिलन, 3) बच्चे के लिए प्यार का शब्द, 6) बेबस, 8) पाज़ेब, 9) बहते पानी का मंदध्वनि; झगड़ा *(घरेलू)*, 10) धड़ *(वृक्ष का)*, 12) तुरंत, 14) गुणग्राहक, 15) घमंड; कैफ़, 17) खाल, 18) ढेर को इधर-उधर करना, 21) एक सफेद कीड़ा जो कागज, लकड़ी आदि को नष्ट कर देता है, 23) एक राशि, 25) वन की आग, 28) कृषिकर, 29) अजा, 30) खरीदना.

ऊपर से नीचे:- 1) खदान मज़दूर; चूहा, 2) चमकीला, 3) पात्र, 4) सुधबुध, 5) फसल के रूप में बोये जानेवाले तेल के पौधे, 7) पानी, 11) सिख संप्रदाय के आदि गुरु, 12) मुख, 13) गदीला, 14) कलानिपुण, 16) परिणय, 17) एक पक्षी, 19) अत्याचार; कुचलाई; रौंदाई, 20) घ्राणेन्द्रिय, 22) बाज़ीगर; सँपेरा, 24) ईश्वर, 26) मगर, 27) स्वरयोजना; नाश.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

बा	■	नि	■	■	अ	गु	आ	■	प
ल	■	शा	मि	या	ना	■	यु	ग	ल
गो	प	न	■	च	र	स	■	म	स्त
पा	■	■	सी	ना	■	रे	शा	■	र
ल	ल	चा	ना	■	दु	आ	■	वि	■
■	श्क	■	जो	रू	■	म	ह	त्ता	म
बा	र	बा	र	■	भाँ	■	ड़	■	ह
द	■	धा	■	सु	ग	म	ता	■	फ़ि
ल	च	क	दा	र	■	हा	ल	चा	ल

सुडोकू-पहेली-2883

			7				4	3
	2	1						
	6			2	9	1		
3			5					7
5			3					
						6	2	
4								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2882 का उत्तर

5	2	6	7	3	9	4	1	8
4	1	9	8	6	5	7	2	3
8	3	7	1	2	4	6	9	5
1	8	4	5	9	7	2	3	6
9	6	3	2	1	8	5	4	7
2	7	5	6	4	3	1	8	9
6	4	8	9	7	2	3	5	1
3	5	1	4	8	6	9	7	2
7	9	2	3	5	1	8	6	4

हिंसाग्रस्त बेलडांगा जाते समय केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार गिरफ्तार

❑ **भाजपा अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में राज्यभर में पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन**

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को मुर्शिदाबाद से सटे हिंसा प्रभावित बेलडांगा जाने के दौरान बुधवार की दोपहर को पुलिस ने निवारक उपायों के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा नदिया जिले के कृष्णानगर इलाके में निषेधाज्ञा लागू की गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, कुछ घंटों बाद सुकांत मजूमदार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री के खिलाफ यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत की गई। इस धारा के तहत गिरफ्तारी संभावित संज्ञेय अपराधों को रोकने के लिए की जाती है। कृष्णानगर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुकांत मजूमदार की एहतियातन गिरफ्तारी बीएनएसएस की धारा 170 के तहत की गई। वह उस स्थान की ओर जा रहे थे जहां निषेधाज्ञा लागू थी। कोतवाली थाना के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद सुकांत मजूमदार ने कहा कि मैं वहां की स्थिति का जायजा लेने के लिए बेलडांगा जाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस द्वारा हमें बेलडांगा जाने से रोकने के विरोध में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने अन्य इलाकों में सड़क बाधित कर दी है।

दूसरी तरफ, सुकांत मजूमदार की गिरफ्तारी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले, दोपहर में सुकांत मजूमदार के काफिले को पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा जाते वक्त रोक दिया था। पुलिस ने क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला दिया और कहा कि भाजपा नेता के दौरे से शांति भंग हो सकती है। पुलिस के एक बड़े दल ने नदिया जिले के कृष्णानगर में सुकांत मजूमदार के काफिले को रोक दिया जिसके बाद भाजपा सांसद ने धरना दिया। इस दौरान, सुकांत मजूमदार ने संवाददाताओं से कहा कि पुलिस कह रही है कि इलाके में निषेधाज्ञा लागू है इसलिए वहां नहीं जा सकता। उन्होंने मुझे बेलडांगा से करीब 70 किलोमीटर पहले ही रोक लिया। हम वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने नहीं जा रहे हैं। हमने उनसे डीएम या एसपी कार्यालय तक ले जाने को कहा लेकिन वे हमें जाने नहीं दे रहे हैं। कृष्णानगर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सुकांत मजूमदार को एहतियात के तौर पर रोका गया क्योंकि आशंका थी कि उनके दौरे से इलाके में शांति भंग हो सकती है। उन्होंने बताया कि यह एक एहतियाती कदम था। हम किसी को भी बेलडांगा में प्रवेश की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां निषेधाज्ञा लागू है।

बेलडांगा हिंसा पर हाईकोर्ट ने केंद्र व राज्य से मांगी रिपोर्ट

राज्य ने कोर्ट से कहा... 'स्थिति नियंत्रण में है, नए सिरे से कोई गड़बड़ी नहीं हुई है'

कोलकाता, समाज्ञा : मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। हाईकोर्ट के जस्टिस हरीश टंडन की खंडपीठ ने आगामी शुक्रवार तक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अगली सुनवाई आगामी सप्ताह सोमवार को होगी। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया है कि याचिकाकर्ताओं ने अदालत में अंशांति से संबंधित जो वीडियो दिखाया था उसी के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। सोशल मीडिया पर मौजूद बहुत सारे पोस्ट पहले ही ब्लॉक कर दिए गए हैं। जज ने जानना चाहा कि जब पहली गड़बड़ी के बाद पुलिस घटनास्थल पर गई और उन्हें एहसास हुआ कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है, तो आगे की गड़बड़ी को रोकने के लिए निवारक उपाय क्यों नहीं किए? इस पर, राज्य के वकील ने कहा कि नए सिरे से किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की रिपोर्ट नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है। कोई मृत्यु नहीं हुई। कुछ घायल हुए हैं। इसके बाद, न्यायमूर्ति टंडन ने राज्य को निष्पक्ष रूप से स्थिति को नियंत्रित करने का निर्देश दिया। इस पर, राज्य की ओर से कहा गया कि भाजपा नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे इस घटना के बारे में सोशल मीडिया कोई पोस्ट न करें। जनहित के मामलों में बिना आवश्यकता के केंद्र को पार्टी बनाया जा रहा है। यह राजनीतिक मकसद से किया जा रहा है। इसे बंद किया जाना चाहिए। उस इलाके के लोगों ने यह मामला दर्ज नहीं कराया है। वहां से दूर रहने वाले लोग मुकदमा क्यों कर रहे हैं? राज्य ने कोर्ट में प्रश्न किया। केंद्रीय एजेंसी कुछ करे, कोई भी इस तरहा का अनुरोध नहीं कर सकता। क्योंकि कानून व्यवस्था राज्य का मामला है। राज्य किसी भी स्थिति को नियंत्रित करने में सक्षम हैं, केंद्रीय बलों की कोई जरूरत नहीं है। इस पर, केंद्र की ओर से मौजूद वकील ने प्रश्न किया किया कि इंटरनेट सेवाएं बंद हैं। इससे यह माना जा सकता है कि उस क्षेत्र में अशांति है।

राज्य में डेंगू मरीजों की संख्या पहुंची 20 हजार के पार

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर कांड की आंच ने राज्य में डेंगू संबंधी चिंताओं को दबा रखा है। लेकिन हकीकत तो यह है कि राज्य में डेंगू का आक्रमण चुपचाप जारी है। साल खत्म होने में अभी करीब डेढ़ महीना बाकी है। ऐसे में राज्य में डेंगू के मामलों की संख्या 20 हजार के पार पहुंच गई है। राज्य सरकार की साप्ताहिक रिपोर्ट के मुताबिक, 13 नवंबर तक इस इससे पीड़ित होने वालों की संख्या 19,917 थी। यह जानकारी 16 जिलों की डेंगू पीड़ितों की संख्या की आधिकारिक रिपोर्ट से सामने आई है। अब तक 6 दिन और बीत गये है। ऐसे में डेंगू पीड़ितों की संख्या 20 हजार पार हो गयी है। विशेष बात यह है कि दक्षिण और उत्तर बंगाल की सीमा से लगे जिले मुर्शिदाबाद में डेंगू पीड़ितों की संख्या राज्य में सबसे अधिक हैं। कुल पीड़ितों में से एक चौथाई मुर्शिदाबाद (5 हजार से ज्यादा) के निवासी हैं। अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि मुर्शिदाबाद में अब डेंगू पीड़ित लोगों की संख्या उत्तर 24 परगना से दोगुनी से भी अधिक हो गई है। इससे आम लोगों से लेकर स्वास्थ्य भवन की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, कोलकाता शीर्ष पांच में नहीं है।

बंगाल में क्षेत्रीय असंतुलन के कारण सरकार और लोगों के बीच दूरी बढ़ी : राज्यपाल बोस

कोलकाता, समाज्ञा

राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने से कुछ दिन पहले जमीनी स्तर के अपने अनुभवों का हवाला देते हुए राज्य के उत्तरी और दक्षिणी जिलों के बीच 'क्षेत्रीय असंतुलन' को उजागर किया और दावा किया कि उत्तरी क्षेत्र में समृद्धि की कमी के कारण राज्य सरकार और वहां के लोगों के बीच दूरी आई है। बुधवार को राज्यपाल बोस ने विभिन्न मुद्दों पर विशेष बातचीत की। इस बातचीत के दौरान उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काम का मूल्यांकन करने से परहेज किया लेकिन यह स्पष्ट किया कि वह एक नेता के बजाए मुख्यमंत्री के तौर पर उनके प्रदर्शन को लेकर 'अधिक चिंतित' हैं। बोस ने अब तक के अपने कार्यकाल पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इन दो वर्षों ने मुझे कई सकारात्मक बातें सिखाई हैं। यह एक बहुत ही परिष्कृत राज्य है जहां कला और संस्कृति पर बहुत जोर है। उन्होंने कहा कि लेकिन राज्य में कुछ समस्याएं हैं, विशेषकर उत्तरी बंगाल में जहां क्षेत्रीय असंतुलन है और उसके कारण दूरी पैदा हो रही है। बोस ने कहा कि गंगा के उत्तर में स्थित जिलों में आर्थिक पिछड़ेपन के कारण लोगों की राज्य प्रशासन से दूरी पैदा हुई है। बोस ने कहा कि ममता बनर्जी के काम का मूल्यांकन गोपनीय रखा जाएगा। सबसे पहले इसकी जानकारी उपयुक्त सक्षम प्राधिकारियों को दी जाएगी।

आवास योजना के फंड की हेराफेरी, तृणमूल के तीन नेताओं समेत 25 के खिलाफ प्राथमिकी

हाईकोर्ट के निर्देश पर दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले में आवास योजना के फंड की हेराफेरी करने के आरोप में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के तीन नेताओं समेत 25 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर मामले की जांच के बाद दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। आरोपितों पर योजना के लाभुकों के बैंक खाते के विवरण के साथ छेड़छाड़ करके फंड को अन्य खातों में ट्रांसफर कराने का आरोप है। मथुरापुर-2 के प्रखंड विकास अधिकारी नाजिर हुसैन की ओर से रायदीघी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोपित तृणमूल नेताओं के नाम मुस्तफा कोयल, मोजेबुल गाजी और खालेक गाजी हैं। जांच में पता चला कि फंड आवंटित होने के बावजूद वास्तविक लाभुकों को रुपये नहीं मिले। उनके लिए आवंटित फंड फर्जी लाभुकों के बैंक खातों में जमा हुए। आरोपितों को रुपये लौटाने के लिए कई बार नोटिस भेजा गया लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसके बाद अदालत के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इस बारे में रायदीघी से तृणमूल विधायक आलोक जलदाता ने कहा कि उनकी पार्टी किसी तरह के भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करती, हालांकि उन्होंने आगे यह भी कहा कि इस मामले में सरकारी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उनकी संलिप्तता के बिना इस तरह का भ्रष्टाचार संभव नहीं है।

जस्टिस घोष दिखे नाराज कहा, केवल सफेद कपड़े पहनने से कोई कोलकाता पुलिस नहीं बन सकता

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता हाईकोर्ट ने राजारहाट थाने की पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए नाराजगी व्यक्त की। राजारहाट में एक याचिकाकर्ता के घर पर मारपीट का आरोप लगा है। जांच की शुरुआती रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन 12 लोग हमला करने के लिए आए थे। यह शिकायत सही थी। इसके बावजूद पुलिस ने उस शिकायत पर जांच आगे बढ़ाने के लिए निचली अदालत से इजाजत मांगी।

जस्टिस तीर्थंकर घोष के मुताबिक, ''यह गैरकानूनी है। जहां पुलिस को अपराध का प्रमाण मिल चुका था, वहां उन्हें निचली अदालत की अनुमति की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि कानून को सही तरीके से पालन नहीं किया जाएगा, तो पुलिस नागरिक को न्याय कैसे दिलाएगी? फिर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि, क्या आपको लगता है कि ये पुलिस अधिकारी पुलिस स्टेशन में रहने के योग्य हैं? क्या आपको लगता है कि वे जानते हैं कि किसी आपराधिक मामले की जांच कैसे की जाती है? उन्होंने आगे कहा कि, आयुक्त को यह जानना होगा कि वह किसके साथ काम कर रहे हैं। केवल सफेद कपड़े पहनकर कोलकाता पुलिस नहीं बन सकते। नाराज जज ने टिप्पणी करते हुए कहा कि, ''यह पुलिस के लिए आखिरी मौका है। अगर उसके बाद ऐसी खामियां पाई गईं तो मैं पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश देने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। कोर्ट इस मामले में 5 दिसंबर को आखिरी फैसला सुनाएगी।

मंदारमणि में होटलों को तोड़ने के निर्देश को हाईकोर्ट में चुनौती

कोलकाता, समाज्ञा : मंदारमणि में अवैध होटलों-रिसॉर्ट को तोड़े जाने के निर्देश को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ओर जहां रोक दिया है, वहीं दूसरी ओर होटल मालिकों ने बुधवार को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाराया है। होटल मालिकों ने कहा कि इस व्यवसाय से उन्हें जो आय होती है, उससे उनका परिवार चलता है, किसी भी होटल को खोले जाने से पहले सरकार से सभी प्रकार की अनुमति ली जाती है। यही कारण है कि अब हाईकोर्ट में गुहार लगायी गई है। उधर, राज्य के मुख्य सचिव ने शुक्रवार को एक विशेष बैठक बुलाई है, जिसमें जिला प्रशासन एवं होटल मालिकों के एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। इस मुद्दे से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नेशनल ग्रीन ट्राइब्रुनल ने अवैध होटलों को तोड़ने को कहा था।

राशन घोटाले के आरोपित बाकिबुर रहमान ने दुबई जाने की मांगी अनुमति, ईडी ने जताई आपत्ति

कोलकाता, समाज्ञा : राशन भ्रष्टाचार मामले के आरोपितों में से एक बाकिबुर रहमान जमानत के तीन महीने बाद दुबई जाना चाहता है। उसने बुधवार को कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट (कोर्ट हाउस) में अर्जी दाखिल की है। बाकिबुर के अनुसार, वह व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विदेश यात्रा करना चाहता है। इसके अलावा, उसके बच्चे भी विदेश में रहते हैं। आरोपित कारोबारी उनसे भी मिलना चाहता है। इसके अलावा, बाकिबुर का दावा है कि वहां के कुछ दस्तावेजों को भी नवीनीकृत करने की आवश्यकता है। हालांकि, ईडी ने विदेश यात्रा के उसके आवेदन पर आपत्ति जताई है। उसने कोर्ट को लिखित रूप से अपनी आपत्ति से अवगत कराया है। हालांकि, ईडी की ओर से अभी तक आपत्ति की वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। ईडी सूत्रों का दावा है कि चूंकि, यह वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला है और पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक भी इस मामले में आरोपित हैं, इसलिए बाकिबुर को विदेश जाने की इजाजत देने से समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस मामले में जांच एजेंसी को दुबई कनेक्शन के बारे में भी पता चला है। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद विदेश यात्रा पर आपत्ति जताई गई है। उल्लेखनीय है कि बाकिबुर को राशन भ्रष्टाचार मामले में पिछले साल 13 अक्टूबर को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उसे पिछले अगस्त में विशेष ईडी अदालत से जमानत मिल गई थी।

ज्योतिप्रिय को अस्पताल से मिली छुट्टी, वर्चुअली अदालत में हुए पेश

कोलकाता, समाज्ञा : राशन भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वह प्रेसीडेंसी जेल लौट आए। जेल अधिकारियों ने बुधवार को अदालत को यह जानकारी दी। कोर्ट की सुनवाई में ज्योतिप्रिय भी वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे। ज्योतिप्रिय को सांस संबंधी दिक्कत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें राशन मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। इस मामले की सुनवाई पिछले गुरुवार को बैंकशाल कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान जेल अधिकारियों ने अदालत को बताया कि ज्योतिप्रिय कई दिनों से अस्पताल में हैं। इस पर, ईडी ने नाराजगी जताई थी। ईडी ने कहा था कि उसे इसके बारे में जानकारी नहीं दी गई। ईडी ने कहा कि चूंकि उसने ज्योतिप्रिय को गिरफ्तार किया था, इसलिए जेल अधिकारियों को शिष्टाचार के नाते पूर्व मंत्री के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में उसे सूचित करना चाहिए था।

सरकार को अलग-अलग आरोपियों के लिए अलग-अलग मानदंडों की अनुमति नहीं मिल सकती : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली/कोलकाता : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में दर्ज एक आपराधिक मामले में एक व्यक्ति को जमानत देते हुए कहा कि राज्य सरकार को अलग-अलग आरोपियों के लिए अलग-अलग मानदंड लागू करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। बता दें कि इसने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में चार अन्य सह-आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के आदेश को चुनौती नहीं दी, जबकि न्यायालय ने इस संबंध में सुझाव दिया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि दूसरी ओर, राज्य सरकार एक आरोपी की जमानत याचिका का विरोध कर रही है, जो करीब एक साल एवं दो महीने से जेल में बंद है। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को अलग-अलग आरोपियों के लिए अलग-अलग मानदंड लागू करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। शीर्ष अदालत एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिसने अक्टूबर 2023 में दर्ज मामले में नियमित जमानत का आग्रह करने वाली अपनी अर्जी को खारिज करने संबंधी कलकत्ता उच्च न्यायालय के इस साल जुलाई में आए आदेश को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि इस मामले में 19 सितंबर को पारित आदेश में उसने कहा था कि एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों में अग्रिम जमानत देना एक बहुत गंभीर मुद्दा है। इसने कहा कि इसलिए अदालत ने राज्य सरकार को यह विचार करने का निर्देश दिया था कि क्या वह अन्य चार सह-आरोपियों को दी गई जमानत रद्द करने के लिए आवेदन दायर करने की मंशा रखती है। बुधवार को सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वकील ने कहा कि राज्य सरकार चार सह-आरोपियों को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देने का प्रस्ताव नहीं रखती। याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित गंभीर अपराध में संलिप्त था। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि चीजें स्पष्ट हैं, यह सब मिलीभगत से हो रहा था। इसने याचिका का निपटारा करते हुए अपने आदेश में कहा कि इस मामले को देखते हुए हम आ-वेदन स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। याचिकाकर्ता को निचली अदालत की संतुष्टि के अनुसार जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है। न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता ने इस आधार पर नियमित जमानत का अनुरोध किया था कि चार अन्य आरोपियों को पहले ही अग्रिम जमानत का लाभ दिया जा चुका है।

पूर्व रेलवे

निविदा की रद्दगी

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व प्रकाशित पत्र संख्या **ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (नोटिस)/617 (213), दिनांक 11.11.2024** के मार्फ़त प्रेषित **निविदा सूचना संख्या: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (नोटिस)/617** को एतदद्वारा **रद्द कर** दिया गया है।

(HWH-431/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Balarampur Development Block
P.O.-Rangadih, Dist.-Purulia, Pin-723143

NOTICE INVITING 01 NO. E-TENDER WB/BDO/BLR NIeT-15/2024-25 Date -19.11.2024

E-Tender are invited by the undersigned from the bonafied contractor for **01 no. Construction work under Balarampur Development Block.**

Period for downloading of bid documents **20.11.2024 from 10.00 A.M. up to 03.12.2024 to 6.55 P.M.**

End date of submission of bid document **up to 03.12.2024 to 6.55 P.M.** and the time & date of opening of Technical bid **on 06.12.2024 at 11.00 A.M.** The Financial bid to be notified.

For details intending participant may contact to the office of the undersigned or visit website www.wbtenders.gov.in in any working day before the last date for submission of bid documents.

Sd/-
Block Development Officer
Balarampur Development Block

Notice Inviting e-Tender

Ref E-NIT NO.- 2024_ZPHD_770857_1

An e-Tender **(Notice: 2100, Date: 19.11.2024)** containing One number scheme for **construction work** under Kalna-II Development Block, Purba Bardhaman has been floated amounting to **Rs. 6.46541 lakhs fund SSM.**

Bid Submission end on :- 28/11/2024 at 05.00 PM.

Log on Gov. Website: www.wbtenders.gov.in

Please look for details in the undersigned office notice board.

Sd/-
Block Development Officer
Kalna-II Block Development Block
Singerkone, Purba Bardhaman

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जनरल), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंज़िल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के सम्बन्ध में निम्नलिखित ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ईएलईजी-ओटी-1140-2024-25-आर, दिनांक: 18.11.2024। कार्य का विवरण:** बेलडांगा - दिव्यांगजन की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2/3 पर सम्पूर्ण आच्छादित शेड सहित सभी अन्य आनुषंगिक कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 21,60,546। **बयाना राशि:** ₹ 43,200। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ईएलईजी-ओटी-1150-2024-25, दिनांक: 18.11.2024। कार्य का विवरण:** पूर्व रेलवे के एनकेजी बिल्डिंग में अग्नि की रोकथाम के लिए संरचना का क्रमोन्नयन। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,60,02,755। **बयाना राशि:** ₹ 4,30,000। **पूरा करने की अवधि:** 18 महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0 (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए)। **निविदा प्रकाशन की तारीख:** 18.11.2024। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.12.2024 को दोपहर 2.00 बजे। **निविदा बोली खुलने की तारीख एवं समय:** 10.12.2024 को दोपहर 2.00 बजे के बाद। **निविदा बोली शुरू होने की तारीख:** 26.11.2024। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी की जाने वाली संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

(SDAH-241/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से **प्रधान मुख्य अभियंता, मेट्रो रेलवे, कोलकाता** द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य हेतु **ई-निविदा के लिए निविदा सूचना** आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** केएनएपी रैम्प लाइन सहित दक्षिणेश्वर किमी (-) 6.5 से कवि सुभाष किमी. 25.55 तक, सॉल्टलेक सेक्टर-V किमी (-) 0.5 से हावड़ा मैदान किमी. 16.7 तक अप एवं डाउन लाइन पर साथ में सेंट्रल पार्क डीईपीटी, जोका किमी (-) 2.0 से एसप्लेनेड किमी. 14.7 तक रेक फीडिंग लाइन के साथ जोका यार्ड, कवि सुभाष किमी. 0.838 से वीआईपी रोड किमी. 28.3 तक रेक फीडिंग लाइन साथ में न्यू केकेवीएस यार्ड, नोआपाड़ा किमी. 00 से जयहिन्द किमी. 7.00 तक रेक फीडिंग लाइन अप एवं डाउन लाइन पर आरडीएसओ अनुमोदित यूएसएफडी मशीन तथा आरडीएसओ प्रमाणित परिचालक द्वारा ठेकेदार के आरडीएसओ अनुमोदित हस्त संचालित अल्ट्रासोनिक डिजिटल वेल्ड टेस्टर के प्रयोग द्वारा एटी वेल्डिंग की अल्ट्रॉसोनिक जांच एवं ठेकेदार के आरडीएसओ अनुमोदित डिजिटल सिंगल यूएसएफडी रेल टेस्टर के प्रयोग द्वारा रेल की अल्ट्रॉसोनिक जांच। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 1,99,54,740/-; **बयाना राशि:** रु. 2,49,800/-; **समापन अवधि:** चौबीस (24) महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 13.12.2024 को दोपहर 12.00 बजे। निविदा दस्तावेज तथा अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। संशोधन/शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, सिर्फ वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं.: सिविल-2488-2024 (ओपन)

हमें अनुसरण करें : /metrorailwaykol /metrorailkolkata

मैत्री एक्सप्रेस और बंधन एक्सप्रेस अस्थायी रूप से रद्द रहेंगी

रेक की उपलब्धता में अनिश्चितता के कारण, 13107/13108 ढाका कैंट.-कोलकाता-ढाका कैंट. मैत्री एक्सप्रेस (बांग्लादेश रेलवे रेक), 13109/13110 कोलकाता-ढाका कैंट.-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस (भारतीय रेलवे रेक) और 13129/13130 कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस (भारतीय रेलवे रेक) **अगली सूचना नहीं मिलने तक** आवागमन के अपने संबंधित दिनों में **अस्थायी रूप से रद्द** रहेंगी।

ट्रेन नं. एवं नाम	आवागमन के दिन
13107 ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस	शुक्र, रवि, मंगल
13108 कोलकाता-ढाका मैत्री एक्सप्रेस	शनि, सोम, बुध
13109 कोलकाता-ढाका मैत्री एक्सप्रेस	मंगल, शुक्र
13110 ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस	बुध, शनि
13129 कोलकाता-खुलना बंधन एक्सप्रेस	बृहस्पति, रवि
13130 खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस	बृहस्पति, रवि

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/619, दिनांक:18.11.2024

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युतीय कार्य/यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3371-आर। कार्य का नाम:** (1) हावड़ा में न्यू डिविज़नल रेलवे मैनेजर'स बिल्डिंग की सम्बंधित विद्युत वितरण प्रणाली के विकास सहित एयर-कंडीशनिंग की व्यवस्था। (2) हावड़ा मंडल के विभिन्न लोकेशनों पर एयर-कंडीशनिंग सिस्टम तथा वाटर कूलर का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,93,00,694। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 4,46,500। **पूरा करने की अवधि:** 120 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.12.2024 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन में खोला जाएगा। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें।

(HWH-430/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

नीलामी कैटेलॉग

प्रशासनिक इकाई/क्षेत्र: सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, पूर्व रेलवे। **नीलामी प्राधिकारी:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह। **नीलामी कैटेलॉग संख्या :** एसडीएएच-पार्सल-36। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 04.12.2024 को सुबह 10.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 04.12.2024 को दोपहर 1.10 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन ज़ोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **प्रारंभिक विराम अवधि :** 30 मिनट। **लगातार लॉट समापन अंतराल:** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन:** 10 बार। **कैटेलॉग प्रकाशन की तारीख :** 18.11.2024 को अपराह्न 4.07 बजे। **निर्णय तरीका:** ऑटो, आरपी प्रदर्शित - नहीं, आरपी से नीचे बोली की अनुमति - हाँ। **क्रम संख्या; एसईक्यू संख्या; लॉट संख्या/श्रेणी; ट्रिप्स प्रति दिन** एवं **लॉट समाप्ति की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: **1**; एए/1; **13153-एसएलआर-आर1-एसडीएएच-एमएलडीटी-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 730 एवं 04.12.2024 को सुबह 10.30 बजे। **2**; एए/2; **13153-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-एमएलडीटी-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 730 एवं 04.12.2024 को सुबह 10.40 बजे। **3**; एए/3; **13153-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एमएलडीटी-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 730 एवं 04.12.2024 को सुबह 10.50 बजे। **4**; एए/4; **19607-एसएलआर-एफ1-केओएए-एमडीजेएन-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 104 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.00 बजे। **5**; एए/5; **22197-एसएलआर-एफ1-केओएए-वीजीएलजे-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 104 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.10 बजे। **6** ; एए/6; **13173-एसएलआर-आर1-एसडीएएच-एसबीआरएम-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 209 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.20 बजे। **7**; एए/7; **13173-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-एसबीआरएम-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 417 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.30 बजे। **8** ; एए/8; **13173-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एसबीआरएम-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 417 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.40 बजे। **9**; एए/9; **13175-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एससीएल-23-2** (पार्सल-एसएलआर); 313 एवं 04.12.2024 को सुबह 11.50 बजे। **10**; एए/10; **12317-एसएलआर-एफ1-केओएए-एएसआर-22-2** (पार्सल-एसएलआर); 104 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.00 बजे। **11**; एए/11; **19414-एसएलआर-एफ1-केओएए-एडीआई-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 105 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.10 बजे। **12**; एए/12; **13141-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एनओक्यू-23-1** (पार्सल-एसएलआर); 730 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.20 बजे। **13**; एए/13; **12363-एसएलआर-एफ2-केओएए-एचडीबी-23-2** (पार्सल-एसएलआर); 313 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.30 बजे। **14**; एए/14; **13105-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-बीयूआई-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 314 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.40 बजे। **1 5** ; एए/15; **13105-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-बीयूआई-24-1** (पार्सल-एसएलआर); 314 एवं 04.12.2024 को दोपहर 12.50 बजे। **16**; एए/16; **13145-एसएलआर-एफ1-केओएए-आरडीपी-24-2** (पार्सल-एसएलआर); 313 एवं 04.12.2024 को दोपहर 1.00 बजे। **17**; एबी/1; **13155-13156-वीपी-1-केओएए-एसएमआई-24-1** (पार्सल-पार्सल वैन); 208 एवं 04.12.2024 को दोपहर 1.10 बजे। **विवरण:** एसएलआर कोच (एकल डिब्बे) में पार्सल स्पेस [क्रम संख्या 1 से 16 प्रत्येक के लिए] तथा पार्सल वैन में पार्सल स्पेस [क्रम संख्या 17 के लिए]। **दर इकाई:** प्रति ट्रिप लाइसेंसिंग शुल्क [क्रम संख्या 1 से 16 प्रत्येक के लिए] तथा प्रति राउंड ट्रिप (दोनों तरफ) [क्रम संख्या 17 के लिए]। **लॉट शुरू होने की तारीख एवं समय:** 04.12.2024 को सुबह 10.00 बजे [सभी के लिए]। **न्यूनतम वृद्धि :** 0.2 (%) [सभी के लिए]। **लॉट की स्थिति:** ड्राफ्ट कैटेलॉग में नया [सभी के लिए]।

(SDAH-240/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

झोपड़ी में लगी आग को दमकल के पहुंचने से पहले हिंदू हॉस्टल के छात्रों ने बुझाया

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में एक के बाद एक आग लगने की घटनाएं सामने आ रही है। कुछ दिन पहले एक्रोपोलिस मॉल में आग लगने की घटना घटी और इस बार आधी रात को एक झोपड़ी में आग लग गई। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात को हिंदू हॉस्टल के सामने वाली तरफ एक झोपड़ी में आग लग गई। आग की लपटें देखकर हिंदू हॉस्टल के छात्र बाहर आए और तुरंत आग बुझाने की कोशिश करने लगे। आग को देखते ही अफरा-तफरी मच गई। हालांकि हॉस्टल के छात्रों ने सूझबूझ से काम करते हुए दमकल का इतंजार करने के बजाय खुद ही आग बुझाने की कोशिश करने लगे। हिंदू हॉस्टल के निवासी हॉस्टल के अंदर मौजूद अग्निशमन यंत्र लेकर आग बुझाने के लिए नीचे उतर गए। नतीजा यह हुआ कि दमकल के पहुंचने से पहले ही आग बुझ गई। इस कारण कोई बड़ा हादसा होने से बच गया।

बम्बल ने डेटिंग से जुड़े हॉट-टेक्स पर डाली रोशनी

कोलकाता, समाज्ञा : महिलाओं के पहले डेटिंग ऐप बम्बल ने अपने नए पूर्वानुमान जारी किए हैं, जिनके द्वारा सिंगल्स को अपने कनेक्शन को डायरेक्ट मैसेज से वास्तविक जीवन तक ले जाने में मदद मिलेगी। दुनिया भर में बम्बल के 40 हजार सदस्यों के साथ किए गए अध्ययन ने बताया कि आज के दौर में डेटिंग का चलन बढ़ रहा है। इन सदस्यों में भारत से 2 हजार से अधिक सिंगल्स शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार ये युवा सही रिश्ते की तलाश को लेकर सकारात्मक महसूस कर रहे हैं। डेटिंग कभी खत्म नहीं हुई और कहीं नहीं जा रही है। प्रचेता मजूमदार, सीनियर मार्केटिंग मैनेजर, बम्बल, एशिया प्रशांत ने कहा, साल 2025 डेटिंग के नजरिए से बदलाव से भरा होगा, हम देख सकते हैं कि किस तरह सिंगल्स, खासतौर पर महिलाएं अपने पार्टनर को लेकर स्पष्ट हो रही हैं, वे अब डेटिंग या रिलेशनशिप में किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहतीं।

एसएससी भर्ती घोटाला मामले में पार्थ चटर्जी और चार अन्य को जमानत देने पर अदालत का विभाजित फैसला

❑ मुख्य न्यायाधीश मामले को तीसरी पीठ को सौंपेंगे

कोलकाता, समाज्ञा : एसएससी भर्ती घोटाले मामले में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को एक बार फिर राहत नहीं मिली। जहां कलकत्ता हाईकोर्ट की दो जजों की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और सीबीआई द्वारा आरोपित चार अन्य हाई-प्रोफाइल आरोपियों की जमानत याचिका पर फैसला नहीं सुनाया। कलकत्ता हाईकोर्च के जस्टिस अरिजीत बंद्योपाध्याय ने सभी नौ आरोपियों की जमानत मंजूर की। जबकि, जस्टिस अपूर्व सिन्हा रॉय ने

पार्थ चटर्जी और शिक्षा विभाग के चार अन्य पूर्व अधिकारियों की जमानत देने के खिलाफ फैसला सुनाया। हालांकि, चार अन्य आरोपी कौशिक घोष, सुब्रत सामंत रॉय, शेख अली इमाम और चंदन उर्फ रंजन मंडल को जमानत दी गई। बता दें कि इन चारों आरोपियों पर आरोप था कि इन्होंने नौकरी दिल-वाने के बदले रिश्वत लेने में मध्यस्थ का काम किया था। वहीं, इस मामले में अदालत के वरिष्ठ वकीलों ने जानकारी देते हुए बताया कि पांच आरोपियों से जुड़ा मामला जिसमें अदालत स्पष्ट निर्णय पर पहुंचने में विफल रही। जिसके तहत बाद अब इस मामले को मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम को स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जो मामले में निर्णायक निर्णय लेने के लिए तीसरी पीठ नियुक्त करेंगे। बता दें कि पार्थ चटर्जी ने पहले कई मौकों पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों में जमानत याचिकाएं दायर की हैं। उनके आवेदनों को अदालत की एकल पीठ और खंडपीठों ने खारिज कर दिया था।

हाईकोर्ट ने निलंबित तृणमूल नेता कुंतल घोष को सशर्त दी जमानत

कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल जज बेंच ने बुधवार को निलंबित युवा तृणमूल कांग्रेस नेता कुंतल घोष को सशर्त जमानत दे दी, जिन्हें जनवरी 2023 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूल भर्ती घोटाला के लिए गिरफ्तार किया था। स्कूल भर्ती घोटाला मामले में ईडी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस शुभ्रा घोष की सिंगल जज बेंच ने जमानत दी। हालांकि, जमानत दिए जाने के बावजूद कुंतल के सलाखों के पीछे से रिहा होने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में उनकी दूसरी जमानत याचिका अभी तक मंजूर नहीं हुई है। ईडी द्वारा दर्ज मामले में सुबह जमानत देते हुए जस्टिस घोष ने कुंतल को अपना पासपोर्ट और मोबाइल नंबर कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति घोष ने यह भी निर्देश दिया कि अदालत में प्रस्तुत किए जाने वाले मोबाइल नंबर में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। साथ ही, न्यायमूर्ति घोष ने कुंतल को निचली अदालत में मामले की नियमित सुनवाई में उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कुंतल को मामले में गवाहों को प्रभावित करने का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए। बता दें कि कुंतल ने शुरू में अपनी जमानत याचिका के साथ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने मामले को वापस कलकत्ता उच्च न्यायालय को भेज दिया। पिछले सप्ताह न्यायमूर्ति घोष ने फैसला सुरक्षित रखा और आखिरकार बुधवार को कुंतल को सशर्त जमानत दे दी। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व युवा नेता कुंतल पर गंभीर आरोप हैं, जिसमें पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण नौकरियों के लिए अवैध चयन के लिए विभिन्न अयोग्य उम्मीदवारों से 19 करोड़ रुपये की भारी रकम वसूलना शामिल है।

स्वास्थ्य भवन ने मेडिकल काउंसिल को नए रजिस्टर नियुक्त करने के दिए निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य भवन ने मानस चक्रवर्ती को राज्य चिकित्सा रजिस्ट्रार के पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य सचिव ने राज्य चिकित्सा परिषद के चेयरमैन डॉ सुदीप्त रॉय को एक पत्र लिखा जिसमें बताया गया है कि राज्य चिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार की पुनर्नियुक्ति नियमों के अनुरूप नहीं है। वेस्ट बंगाल मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार की नियुक्ति को लेकर राज्य के सभी सरकारी और निजी मेडिकल संगठन लंबे समय से चर्चा में है। इतना ही नहीं, राज्य में डॉक्टरों के सबसे बड़े संगठन आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) ने भी स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजकर

रजिस्ट्रार की 'पुननियुक्ति' की मांग की है। इसी मुद्दे पर स्वास्थ्य भवन की ओर से राज्य चिकित्सा परिषद को पत्र भेजकर सूचित किया गया है कि 2019 में रजिस्ट्रार के रूप में मानस चक्रवर्ती की 'पुननियुक्ति' अवैध है। स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव ने तत्काल मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष को नए रजिस्ट्रार की नियुक्ति का आदेश दिया है।

डॉ सुदीप्त रॉय ने डॉ. शांतनु सेन को पद से हटाने के लिए लिखा पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य चिकित्सा परिषद के मनोनीत सदस्य डॉ. शांतनु सेन को पद से हटाने को लेकर डॉ सुदीप्त रॉय ने स्वास्थ्य भवन को पत्र लिखा है। उन्होंने इस पत्र में डॉ शांतनु सेन पर राज्य चिकित्सा परिषद की पिछली 3 बैठकों से बिना कारण बताए अनुपस्थित रहने का आरोप लगाया है। मेडिकल काउंसिल एक्ट के अनुसार 6 बैठकों में अनुपस्थित रहने के कारण यह पद अब रिक्त है। स्वास्थ्य आयोग के अध्यक्ष ने मांग की कि शांतनु की जगह किसी नए को नामांकित किया जाना चाहिए।

युवाओं को आकार देने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका : एडीजी

भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कालेज ने 76वें एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में भव्य समारोह किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के प्रतिष्ठित भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कालेज ने 76वें एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी की, जिसमें एन-सीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विवेक त्यागी भी शामिल हुए। उन्होंने संस्थान में एनसीसी दिवस समारोह का निरीक्षण किया और कैडेटों को संबोधित करते हुए युवाओं को आकार देने और राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कैडेटों के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी ने एनसीसी के आदर्शों के प्रति लगातार असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। इस मौके पर एडीजी ने उत्कृष्ट कैडेटों को पुरस्कार और रैंक से भी सम्मानित किया। उन्होंने कालेज के छात्रों के साथ भी बातचीत

भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कालेज में 76वें एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में एडीजी मेजर जनरल विवेक त्यागी व अन्य विशिष्टजन।

की और एनसीसी की भविष्य की योजनाओं और अवसरों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। इस अवसर पर हथियार प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसने युवाओं को प्रेरित किया और उन्हें भारतीय सेना से परिचित कराया। विभिन्न छात्र समूहों ने उद्यमशीलता, नवाचार और प्रदर्शन कला को प्रोत्साहित करने की दिशा में संस्थान के फोकस के बारे में जानकारी देते हुए उच्च ऊर्जा और जीवंत सांस्कृतिक भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। एडीजी ने इनमें से प्रत्येक समूह के साथ बातचीत की और उत्कृष्ट अवधारणा, मानकों के लिए उनकी सराहना की।इस मौके पर कालेज के रेक्टर और छात्र मामलों के डीन प्रोफेसर दिलीप शाह ने एनसीसी एडीजी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि एडीजी का दौरा उत्साहवर्धक रहा क्योंकि उन्होंने कालेज के छात्रों के मामलों में बहुत रुचि दिखाई। उन्होंने खुद हमारे संस्थान के युवा एनसीसी विजेताओं को रैंक सौंपी और उन्होंने हमारे जहाज और एयरो-माडलर्स के साथ बातचीत की। यह आयोजन छात्रों में राष्ट्रीय गौरव की भावना भरने की दिशा में एक कदम था और हमारे एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट आदित्य राज और अरित्रिका दुबे ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लगभग 10,000 छात्रों के साथ, यह कालेज बंगाल और सिक्किम एनसीसी निदेशालय की सेना, वायु और नौसेना विंग में छात्रों का नामांकन करता है। कालेज के एनसीसी कैडेट एनसीसी गतिविधियों में बहुत सक्रिय रहे हैं और शीर्ष स्तर पर एनसीसी निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया है।

जयगांव में स्कूल शिक्षक की नृशंस हत्या का खुलासा, चार आरोपित गिरफ्तार

अलीपुरद्वार : अलीपुरद्वार जिले की पुलिस ने जयगांव में एक निजी स्कूल के शिक्षक की निर्मम हत्या के मामले को चार दिनों में सुलझाने का दावा किया है। इस दिल दहला देने वाली घटना में शिक्षक के निजी अंग को काटकर उनके मुंह में डाल दिया गया था। शिक्षक का क्षत-विक्षत शव 16 नवंबर की सुबह बरामद हुआ था। यह जघन्य हत्या इलाके में चर्चा का विषय बन गई, क्योंकि मृतक संतालबीर लामा को शांतिप्रिय स्वभाव और स्थानीय चर्च के कल्याणकारी कार्यों से जुड़े होने के लिए जाना जाता था।

पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है और हत्या के पीछे की साजिश का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपितों में पांडु राय और विजय सुब्बा पेशेवर हत्यारे हैं, जिन्होंने इस क्रूर हत्या को अंजाम दिया। वहीं, रोहित थापा और पासांग लामा ने इन हत्यारों को शिक्षक की हत्या के लिए सुपारी दी थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या की क्रूरता को देखते हुए पहले यह माना जा रहा था कि यह किसी व्यक्तिगत दुश्मनी या भावनात्मक आक्रोश का परिणाम था। लेकिन जांच के बाद पता चला कि रोहित थापा और पासांग लामा ने शिक्षक से लिए गए 1.5 लाख रुपये का कर्ज न लौटाने के लिए उनकी हत्या की योजना बनाई थी। जानकारी के अनुसार, रोहित थापा गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) का सक्रिय नेता था और एक समय वह जीजेएम की केंद्रीय समिति का सदस्य भी रह चुका है। उसका आपराधिक इतिहास भी रहा है। 2017 में डुआर्स क्षेत्र में एक संघर्ष के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और आरोपितों की गिरफ्तारी ने इलाके में इस हत्याकांड से उपजे भय और आक्रोश को कुछ हद तक शांत किया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार ने वृद्ध महिला को मारा धक्का, तृणमूल पार्षद का बेटा गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की सड़कों पर तेज रफ्तार गाड़ियों के कारण सड़क हादसे की समस्या गंभीर होते जा रही है। बुधवार को विवेकानंद पार्क के पास एक वृद्ध महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इस घटना में घायल हुई तारा साहा(70) नाम की महिला को एसएसकेएम में भर्ती कराया गया है। इस घटना में पुलिस ने तृणमूल पार्षद के बेटे को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, कार में वार्ड नंबर 99 की पार्षद मिताली बनर्जी के दो बेटे सवार थे। यह कार उनका छोटा बेटा शुद्धासत्व बनर्जी चला रहा था। इस घटना का पता चलते ही

रवींद्र सरोवर थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह मामला गैर जमानती धारा के तहत दर्ज किया गया है। मालूम हो कि, इस कार पर मेयर परिषद मिताली बनर्जी का नेम प्लेट लगा था। सूत्रों के मुताबिक, कार उनके नाम पर ही रजिस्टर्ड है। इस घटना के बाद से ही तनाव का माहौल है।

अनोखा भैरव अष्टमी महोत्सव में 2024 तरह की मिठाइयों का भोग

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतीय बटुक भैरव भक्त मंडल एवं पार्श्व पद्मावती शक्ति पीठ धाम, कृष्णगिरि, तमिलनाडु के पीठाधीश्वर, डॉ. वसंत विजय महाराज के सानिध्य में, मध्य प्रदेश के नीमच में आयोजित 9 दिवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित हुआ है, जहां भैरव देव को 2024 प्रकार की मिठाइयां भोग के रूप में अर्पित की गई है। ऐसा भव्य महोत्सव एवं 2024 प्रकार की मिठाइयों के भोग का यह अनूठा विश्व रिकॉर्ड देश विदेश की 50 विविध संस्थाओं में दर्ज किया जाएगा। साथ ही, इस महोत्सव के दौरान एक अन्य विश्व रिकॉर्ड कायम हुआ, जहां 84,000 वर्ग फुट की विशाल रंगोली बनाई गई जिसमे भारत की सांस्कृतिक विरासत और

आध्यात्मिक गुरुओं और राष्ट्र नायकों के चित्र उकेरे गए। राष्ट्र संत डॉ. वसंत विजय महाराज ने नवरात्री के बाद 9 दिवसीय भैरव अष्टमी महोत्सव के महत्व को बताते हुए कहा कि भैरव अष्टमी पर आयोजित कष्ट हरण महायज्ञ एवं कथा साधना का विशेष महत्त्व होता है। इस भव्य भैरव अष्टमी महोत्सव के आयोजन द्वारा हमारा उद्देश्य भारत को संभावित आर्थिक संकट और महामारी के प्रभाव से सुरक्षा हेतु शिव स्वरुप भैरव देव से प्रार्थना करना है।

अमेजन बिजनेस ने 16 दिनों तक चलने वाली बिजनेस वैल्यू डेज सेल की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन बिजनेस, ऑनलाइन बी2बी मार्केटप्लेस ने सभी बिजनेस ग्राहकों के लिए 21 नवंबर से 06 दिसंबर, 2024 तक 16 दिनों तक चलने वाली बिजनेस वैल्यू डेज सेल की घोषणा की है। बिजनेस वैल्यू डेज सेल बिजनेस ग्राहकों को लैपटॉप, मॉनिटर, स्मार्ट टीवी, स्मार्टवॉच, सिक्योरिटी कैमरे, छोटे और बड़े उपकरण, ऑफिस फर्नीचर, डेकोर व फर्निशिंग एवं अन्य ऑफिस उत्पाद और अन्य उत्पादों सहित विभिन्न श्रेणियों में 70% तक की शानदार छूट पर लाखों उत्पादों की पेशकश करती है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक इस अवधि के दौरान तीन खरीद पर 9,999 रुपये तक के कैशबैक का भी लाभ उठा सकते हैं। पात्र ग्राहक 30-दिन के लिए इंस्टेंट ब्याज मुक्त क्रेडिट का लाभ उठा सकते हैं, जिसे बिना किसी छिपी लागत के कम से कम ब्याज दरों पर 12 महीने तक बढ़ाया जा सकता है, जिससे सेल के दौरान कैश फ्लो को मैनेज करने में मदद मिलती है।

जरूरतमंदों के लिए गरिया मानविक का सेवा कार्य जारी

कोलकाता, समाज्ञा : गरिया मानविक लंबे समय से विभिन्न प्रकार के समाज सेवा कार्य कर रहा है। इस वर्ष शरद उत्सव के दौरान, बीरभूम जिले के मोहम्मद बाजार से सटे क्षेत्र में कई आदिवासी महिलाओं को गरिया मानविक के तत्व-ावधान में नई साड़ियाँ वितरित की गईं।

वहीं 17 नवंबर 2024 को दीपक मंडल के नेतृत्व में गरिया मानविक की एक स्वयंसेवी टीम जरूरतमंदों को सर्दियों के कपड़े और कुछ दैनिक आवश्यकताएं सौंपने के लिए सियालदह से उत्तर बंगाल के कालचीनी और पुकुरी के लिए रवाना हुई। इस यात्रा की शुरुआत में गरिया मानविक की स्वयंसेवी टीम और मालवाहक वाहन का स्वागत करने के लिए राजपुर-सोनारपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 31 के नगर प्रतिनिधि सुशांत दास (लालटू) उपस्थित थे। सियालदह स्टेशन पर गरिया मानविक के संस्थापक - महासचिव देबब्रत सरकार (टूटू), पुकार सिंह और रंजीत गुप्ता सामान लेकर पहुंचे थे। दीपक मंडल के नेतृत्व में गरिया मानविक का प्रतिनिधिमंडल उक्त कपड़े और दैनिक आवश्यकताओं के साथ सिलीगुड़ी से अलीपुरद्वार होते हुए कालचीनी पहुंचा।

विश्व बाल दिवस पर दिव्यांग लड़की एक दिन के लिए यूनिसेफ बंगाल की सांकेतिक प्रमुख बनीं

कोलकाता, समाज्ञा : विश्व बाल दिवस के अवसर पर बुधवार को दक्षिण 24 परगना जिले के एक गांव की एक दिव्यांग लड़की को यूनिसेफ की पश्चिम बंगाल इकाई का सांकेतिक अध्यक्ष नामित किया गया। विद्यानगर गांव की रहने वाली रिया सरदार ने अंतरराष्ट्रीय संस्था से निर्णय लेने की प्रक्रिया में बच्चों की राय को भी शामिल करने का आग्रह किया। यहां जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, यूनिसेफ की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख मंजूर हुसैन से एक दिन के लिए अध्यक्ष पद संभालने के बाद सरदार ने निर्णय लिया कि संयुक्त राष्ट्र निकाय वर्ष में एक बार बच्चों से मुलाकात करेगा और उनके लिए विकास योजनाएं बनाते समय उनकी राय को शामिल किया जाएगा।

सरदार ने इस निर्णय की जानकारी देने के लिए कोलकाता में यूनिसेफ

के सभी अधिकारियों को एक ईमेल भेजा। रिया सरदार ने बताया कि शुरुआत में हमारे स्कूल के शौचालय में रैंप (दिव्यांगों के चढ़ने के लिए)नहीं था। लेकिन, स्कूल प्रशासन की पहल पर रैंप का निर्माण किया गया। मेरे पिता के अनुरोध पर अब कक्षाएं भूतल पर लग रही हैं, क्योंकि मेरे जैसे बच्चों को इमारत की ऊपरी मंजिलों पर चढ़ने में दिक्कत होती थी। मेरे जैसे बच्चों को स्कूल और अन्य जगहों पर किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यूनिसेफ के अधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे बतौर अध्यक्ष सरदार द्वारा लिये गए फैसलों को लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि 'भविष्य को सुनने' की उनकी पहल के तहत बच्चों के साथ एक वार्षिक बैठक आयोजित की जाएगी और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी को पर्याप्त रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

आसनसोल में 11 फैक्ट्रियों को 500 करोड़ का जुर्माना, अवैध निर्माण का आरोप

आसनसोल : आसनसोल नगर निगम ने जामुड़िया-रानीगंज में फैक्ट्रियों में अवैध निर्माण को लेकर 11 फैक्ट्रियों को जुर्माना नोटिस जारी किरा है। जुर्माने की रकम 500 करोड़ है। क्षेत्र का दौरा करने के बाद, जेरबा के ग्रामीणों को कारखानों के कारण प्रदूषित पाया गया। फैक्ट्री अधिकारियों के खिलाफ कई शिकायतें है। आरोप है कि सिंगारन नदी ने कई फैक्ट्रियों पर कब्जा कर लिया है। नदी को फैक्ट्री के अंदर ले लिया गया है। प्रदूषण के कारण नदी का रंग लाल हो गया है। नदी नाले में तब्दील हो गयी है। क्षेत्र के नीले जंगल ने कारखानों के विस्तारित हिस्से पर कब्जा कर लिया है। प्रदूषण के कारण अब न सिर्फ घर बल्कि ऐतिहासिक जगहें भी बर्बाद हो गई हैं। श्मशान भूमि पर स्पंज आयरन फैक्ट्री का कब्जा फैक्ट्री में सरकारी पक्की सड़क घुस गयी है। प्रत्येक कारखाने के विरुद्ध एक शिकायत है। जमुरिया 'चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज' अधिकारियों के पक्ष में खड़ा हुआ। उनका दावा है कि इस औद्योगिक तालुक के निर्माण के बाद जमुरिया की सामाजिक-आर्थिक स्थिति बदल गई है। कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। अधिक फैक्टरियां बनाने की योजनाएं भले ही पारित न हुई हों लेकिन यह रातोरात नहीं हुआ। दावा की गई जुर्माने की राशि माफ की जानी चाहिए। वहीं, स्थानीय निवासियों की मांग है कि इस फैक्ट्री के खिलाफ 500 करोड़ का जुर्माना नहीं, बल्कि हजारों करोड़ का जुर्माना जारी किया जाए। आसनसोल निगम ही नहीं, वन विभाग, आसनसोल दुर्गापुर विकास बोर्ड, बीडीओ डीएम सभी के खिलाफ जुर्माना नोटिस जारी करें।

हावड़ा मंडल की महिला कल्याण संगठन ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चलाया अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ), हावड़ा की अध्यक्ष रीना जायसवाल के नेतृत्व में बुधवार को महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक वितरण अभियान चलाया गया। इस दौरान हावड़ा स्टेशन के आसपास जरूरतमंद महिलाओं के बीच पर्यावरण के अनुकूल सेनेटरी नैपकिन (दस्तक) और भोजन पैकेट वितरित किए गए। इस मौके पर उनके साथ उपाध्यक्ष सौम्या प्रकाश, सचिव मीनाक्षी सिंह और ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ के अन्य समर्पित सदस्य मौजूद रहे। स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व की गहरी समझ से प्रेरित इस पहल का उद्देश्य वंचित महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता उत्पादों तक

पहुंच सुनिश्चित करना है। यह प्रयास हावड़ा क्षेत्र में महिलाओं की भलाई को बढ़ावा देने के लिए ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ के चल रहे मिशन को दर्शाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए रीना जायसवाल ने सामुदायिक सेवा के प्रति संगठन के समर्पण की पुष्टि करते हुए कहा, हम हर संभव तरीके से महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज की पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक कदम है।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का 108 घंटे लगातार रक्तदान शिविर संपन्न, 1188 यूनिट ब्लड एकत्रित

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अ.भा.ते.यू.प.) द्वारा आयोजित ऐतिहासिक 108 घंटे का रक्तदान कैंप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कैंप 14 से 18 नवंबर तक चला। इस आयोजन ने न केवल रक्तदान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया, बल्कि समाज में थैलेसीमिया और अन्य रक्त संबंधित बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने का महत्व-पूर्ण कार्य भी किया। इस अद्वितीय कैंप में कुल 1188 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो सैकड़ों जरूरतमंदों के जीवन को बचाने में सहायक होगा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस के करकमलों द्वारा किया गया। पश्चिम बंगाल के गवर्नर कार्यालय

द्वारा इस कार्यक्रम की विशेष निगरानी की गई, जिससे इस आयोजन की सामाजिक और मानवीय महत्ता और भी बढ़ गई। उद्घाटन सत्र में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की भी उपस्थिति रही। जिन्हे जरूरत अनुसार ब्लड कार्ड्स और जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम की समाप्ति पर अ.भा.ते.यू.प.के महामंत्री अमित नाहटा ने सभी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को उनके अथक परिश्रम और समर्पण के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा, यह आयोजन केवल रक्तदान का नहीं, बल्कि मानवता और समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों को निभाने का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 1188 यूनिट रक्त एकत्रित कर हमने न केवल एक रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि कई जिंदगियों को बचाने का भी कार्य किया है। इस सफल आयोजन के लिए मैं सभी रक्तदाताओं, कार्यकर्ताओं और समाज के हर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इसे संभव बनाया।

108 घंटे तक लगातार चले इस रक्तदान कैंप ने यह संदेश दिया कि रक्तदान एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए और जरूरत पड़े तो रात्री 2 बजे भी हमको रक्तदान करने को उपस्थति रहना चाहिए। यह न केवल आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने में सहायक है, बल्कि समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को भी प्रबल करता है। कैंप के दौरान सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र और आभार स्वरूप स्मृति चिन्ह भी दिए गए।

संस्था को नियमित तौर पर सेवाएं प्रदान करने वाले संदीप ललवानी, मनोज सुराणा, सुमित कोठारी, सुनील दुग्गड़, जय चोरडिया, राजीव बोथरा, विवेक सुराणा, सौरभ श्यामसुखा, नवीन सिंघी, अनुज बागरेचा, विनीत कोठारी, मनीष बरडिया, विवेक सुर-ाणा, राहुल मनोत, मोहित बैद, अमित तातेड, अरिहंत बछवात की कार्यक्रम की सफलता में विशिष्ट भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर, सभी रक्तदाताओं और स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करते हुए, अभातेयूप द्वारा पश्चिम बंगाल के कोच अनंत बागरेचा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक शुरुआत है, और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और मानवीय कार्यों के लिए सभी कार्यकर्ता समर्पित रहेंगे।

पड़ोसी के साथ बेटी की शादी नहीं करने पर सब्जी विक्रेता की हत्या

❑ आरोपी युवक ने युवती से शादी के लिए कई बार दिया था प्रस्ताव

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट महकमा के मटिया थाना अंतर्गत कोड़ापाड़ा इलाके में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने और युवती की शादी कहीं और होने से नाराज सनकी आशिक ने युवती के पिता की ही धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना से गुस्साए इलाके के लोगों ने आरोपी के घर पर जमकर तोड़फोड़ किया। घटना से इलाके में तनाव है। पुलिस के मुताबिक, मृतक का जब्बार मोल्ला (55) है। जब्बार पेशे से सब्जी बिक्री करता था। आरोपी सनकी आशिक का नाम नाजिमुद्दीन मोल्ला है। वह जब्बार की बेटी से शादी करना चाहता था। बताया गया है कि वह युवक जब्बार के घर के पड़ोस में ही रहता है। वह शादी के लिए युवती और उसके घरवालों के सामने कई बार प्रस्ताव रख चुका था। उसने युवती को कई बार प्रेम प्रस्ताव भी दिया था। लेकिन, उसने ठुकरा दिया था। आरोपी ने युवती के घरवालों को युवती से शादी करने की इच्छा जतायी थी। लेकिन, युवती के नहीं राजी होने के कारण घरवालों ने इंकार कर दिया था। इसे लेकर दोनों के परिवार में भी विवाद चलने लगा था। आरोप है कि आरोपी युवक ने इसे लेकर कई बार जब्बार को मारने की धमकी भी दी थी। हर दिन परेशान होने के कारण अंत में घरवालों ने गत रविवार को युवती की शादी दूसरे जगह कर दी। इसका पता चलने के बाद से ही आरोपी युवक जब्बार के घरवालों से नाराज था। मंगलवार की रात जब्बार हासनाबाद से सब्जी का व्यवसाय कर ट्रेन से घर लौट रहा था। माल-तीपुर स्टेशन उतरकर रेलवे लाइन पकड़ कर कोड़ापाड़ा घर जाने के क्रम में ही आरोपी युवक ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर उनके पास मौजूद नकदी रुपये और सोने की चेन छीन कर फरार हो गया। उनकी चीख सुनकर आस-पास के लोग पहुंचे और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत की खबर पाकर उनके ग्राम के लोगों ने नाजिमुद्दीन के घर पर तोड़फोड़ किया। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

छत से गिरकर युवती की मौत से सनसनी, दुर्घटना या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

हुगली : जिले के उत्तरपाड़ा थानांतर्गत कोन्नगर के इंद्रा गांधी रोड इलाके में स्थित चार मंजिला इमारत की छत से गिरकर एक युवती की अस्वाभाविक मौत की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि युवती अपने प्रेमी पर शादी करने का दबाव बना रही थी। मामला दुर्घटना का है या फिर आत्महत्या का इसकी जांच पुलिस कर रही है। युवती की अप्रत्याशित मृत्यु से परिवार के लोग स्तब्ध हैं। मृतिका का नाम दीपांजना गोस्वामी (18) बताया जा रहा है। मृतिका के परिजनों ने बताया कि दीपांजना नहाने के बाद घर की छत पर बैठी थी। फिर

अचानक से एक जोरदार आवाज से लोग सिहर उठे। अचानक स्थानीय लोगों ने उसे चार मंजिला इमारत की छत से नीचे सड़क पर गिरते देखा। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे एक निजी नर्सिंग होम में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में युवती के शव को उत्तरपाड़ा स्टेट जनरल अस्पताल ले जाया गया। मृतिका के पिता सुजन गोस्वामी ने बताया कि हर दिन की तरह दीपांजना नहाकर छत पर गई थी। कुछ ही देर में यह दर्दनाक हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि युवती एक युवक से प्रेम करती थी और उससे शादी करना चाहती थी। युवक ने शादी के लिए दो साल का वक्त मांगा था, इस घटना में उसकी कोई गलती नहीं है। हालांकि, पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाही करेगी।

पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर फिर फेरबदल

कोलकाता, समाज्ञा : एक बार फिर राज्य पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर फिर फेरबदल हुए है। मुरलीधर शर्मा को कोलकाता पुलिस के एडिशन कमिश्नर के पद से हटाया गया है। उनकी जगह डॉ. प्रणब कुमार को लाया गया है। खुफिया प्रधान के पद पर भी बदलाव हुआ है। राज्य सचिवालय नबान्न ने हावड़ा कमिश्नरेट में भी तमाम पदों पर फेरबदल किया है। मुरलीधर शर्मा कोलकाता पुलिस के एडिशन कमिश्नर थे। वह खुफिया विभाग के कार्यवाहक प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। अब उन्हें बैरकपुर स्थित राज्य पुलिस अकादमी भेज दिया गया। डॉ. प्रणब कुमार वहां लंबे समय से सेवाएं दे रहे थे। प्रणब कुमार खुफिया विभाग के कार्यवाहक प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इस बीच, हावड़ा (ग्रामीण) की पुलिस अधीक्षक स्वाति भंगालिया

को साइबर अपराध अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है। विश्वजीत महतो, जो डीसी (दक्षिण), हावड़ा के पद पर तैनात थे, को डीसी सेंट्रल (हावड़ा) में स्थानांतरित कर दिया गया है। फिर, डीसी सेंट्रल (हावड़ा) में सुमिता पाल का तबादला हावड़ा ग्रामीण में एसपी के पद पर कर दिया गया है। आईबी से सुरिंदर सिंह को हावड़ा डीसी (साउथ) के पद पर भेजा गया है। कुल मिलाकर साल खत्म होने से पहले नबान्न ने पुलिस प्रशासन में बड़े पैमाने पर बदलाव किये है।

ममता बनर्जी वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं : अग्निमित्रा पॉल

भाजपा अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर भाजपा विधायक का फूटा गुस्सा

कोलकाता, समाज्ञा

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार निशाना साधा। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि भाजपा नेता और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार बेलडांगा में हुई घटनाओं का जायजा लेने के लिए गए थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया और गिरफ्तार कर लिया। यह पूरी तरह से ममता बनर्जी की सरकार की साजिश है, जो उनकी आवाज दबाने के लिए ऐसी कार्रवाई कर रही है। ममता बनर्जी का प्रशासन सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक की राजनीति में लगा हुआ है और यही कारण है कि वह ऐसे दंगों में धर्म विशेष को लेकर गलत बयानबाजी करते हुए माहौल बिगाड़ने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि बेलडांगा में जो दंगा हुआ, वह एक मामूली घटना से शुरू हुआ था। एक लाल बोर्ड पर विवादित और अपमानजनक बातें लिखी गई थीं, जिसमें आरोप है कि वह अपमानजनक सामग्री एक मुसलमान वेंडर द्वारा लिखी गई थी। इस घटना को लेकर प्रशासन और पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। भाजपा नेता ने कहा कि बेलडांगा में हिंदू घरों को जलाए जाने और दंगों की साजिश रचने वाले असल दोषियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, जबकि एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक मुसलमान व्यक्ति यह कहते हुए दिखाई दे रहा है कि मुसलमानों को एकजुट होकर हिंदुओं को मारना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस व्यक्ति को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया और यह साफ तौर पर ममता सरकार की नीयत पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार हिंदू विरोधी और मुस्लिमों को बढ़ावा देने वाली नीतियों पर काम कर रही है, ताकि चुनावों में मुस्लिम वोटों का समर्थन प्राप्त किया जा सके। ममता बनर्जी का पूरा एजेंडा वोट बैंक की राजनीति पर आधारित है और यही कारण है कि उनके शासन में लगातार दंगे और हिंसा हो रही है, जिसमें एक पक्ष को बढ़ावा दिया जा रहा है। ममता सरकार ने पहले भी मुर्शिदाबाद में दंगे के बाद चुनाव आयोग से जिम्मेदारी लेने की बात की थी, लेकिन अब बेलडांगा में जो हुआ है, उस पर वह चुप हैं।

सरकारी नियमों का पालन नहीं करने का आरोप, दक्षिण 24 परगना के 41 नर्सिंग होम को शोकॉज

21 दिन के अंदर मांगा गया जवाब

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण 24 परगना में कई नर्सिंग होम पर सरकारी नियमों को पालन किए बिना चलाए जाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले की गंभीरता देखते हुए जिले के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

शिकायत की गई थी कि दक्षिण 24 परगना में कई नर्सिंग होम नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद शुरू हुई। जांच में देखा गया कि नर्सिंग होम एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं। आईसीयू में कितने बेड हैं? सीसीयू की स्थिति कैसी है? मेडिकल वेस्ट निस्तारण की भी जांच की जा रही है।

इस जांच में पता चला कि 41 नर्सिंग होम नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और मनमर्जी से चल रहे हैं। इसके बाद जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा उन्हें शोकॉज किया गया। 21 दिन के अंदर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर नर्सिंग होम को ब्लॉक लिस्ट में डाल दिया जाएगा। स्वास्थ्य प्रशासन ने नर्सिंग होम में नियमों का पालन करने की चेतावनी दी है।

हावड़ा पुलिस का अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने के लिए छापेमारी अभियान जारी

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा सिटी पुलिस अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए 18 नवंबर से लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इन अभियानों में अवैध हथियारों, फर्जी कॉल सेंटर, आईडी शराब की बरामदगी, जुए पर विशेष ध्यान देते हुए छापेमारी की गई। इस छापेमारी के दौरान अलग-अलग पीएस और डीडी ने 38,280 रुपये नकद जब्त किए। इसके अलावा, चार अवैध हथियार, और छह गोला बारूद बरामद किया गया। पुलिस ने पांच लोगों को आर्म्स के तहत गिरफ्तार भी किया। पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए नौ लोगों को गिरफ्तार किया और वहां से 22 मोबाइल, 2 लैपटॉप, 1

जियो फाइबर राउटर बरामद किया गया। इसके अलावा, 10,810 रुपये नकद, देसी शराब की 248 बोतल एवं 160 लीटर आईडी शराब का अवैध स्टॉक जब्त किया गया। इन विशेष अभियान के दौरान लगभग 421 लोगों को कानून की निवारक धारा के तहत गिरफ्तार किया गया। वहीं, विशिष्ट मामले के तहत 30 लोगों को और गिरफ्तारी वारंट के तहत 75 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

नाबालिग से अश्लील हरकत करने के आरोप में दुकानदार गिरफ्तार

हुगली : राज्य समेत जिले में नाबालिग से दुष्कर्म, यौनशोषण अश्लील हरकत करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चुंचुड़ा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप एक दुकानदार पर लगा है। आरोपों के आधार पर पुलिस ने आरोपी दुकानदार सुकुमार सरकार को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोरी मोहल्ले की एक दुकान पर सामान खरीदने गई थी। आरोप है कि उस समय दुकानदार ने उसके साथ अश्लील हरकत की। घर आकर पीड़िता ने अपने परिजन को घटना की जानकारी दी। जब यह मामला स्थानीय लोगों के संज्ञान में आया तो लोगों का गुस्सा दुकानदार के खिलाफ फूट पड़ा। पीड़ित परिवार ने चुंचुड़ा महिला थाने में आरोपी

दुकानदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित परिवार ने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में अब भी तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू हो गई है। इस घटना से महिला सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं कि आखिर महिलाएं कहां सुरक्षित है। कानून से बेखौफ दरिंदे अक्सर अपनी बेटियों जैसी मासूम के साथ गलत हरकत करने से बाज नहीं आते।

कोलकाता व हावड़ा में वायु खतरनाक, लेकिन दिल्ली से बेहतर स्थिति

कोलकाता : महानगर कोलकाता और उसके पड़ोसी शहर हावड़ा में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के स्तर में खतरनाक वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, यह स्थिति राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तुलना में बेहतर है, लेकिन फिर भी विशेषज्ञों ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

एक तुलनात्मक अध्ययन से पता चला है कि हावड़ा में एक्यूआई का स्तर कोलकाता से अधिक चिंता-जनक है। मंगलवार दोपहर तक विभिन्न एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कोलकाता और हावड़ा में औसत एक्यूआई स्तर 222 से 293 के बीच दर्ज किया गया, जो बैंगनी श्रेणी यानी अत्यंत अस्वस्थ्य के अंतर्गत आता है। इस श्रेणी में सभी के लिए स्वास्थ्य प्रभाव का जोखिम बढ़ जाता है।कोलकाता के सात मॉनिटरिंग स्टेशनों में से दो स्टेशनों

में एक्यूआई स्तर 223 से 227 के बीच है, जो बैंगनी श्रेणी में आता है। वहीं, शेष पांच स्टेशनों में यह स्तर 176 से 195 के बीच है, जो लाल श्रेणी यानी अस्वस्थ के अंतर्गत आता है। इस श्रेणी में आम लोगों के लिए स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं, जबकि संवेदनशील समूहों के लिए गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव की संभावना अधिक रहती है। इसके अलावा, दो स्टेशनों में एक्यूआई स्तर 137 दर्ज किया गया, जो नारंगी श्रेणी यानी संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ्य के अंतर्गत आता है। इस श्रेणी में संवेदनशील समूहों के लिए स्वास्थ्य प्रभाव की संभावना रहती है, लेकिन आम जनता पर इसका प्रभाव कम होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रदूषण से संबंधित बीमारियों से निपटने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा है कि कमजोर वर्ग जैसे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, पहले से बीमार लोग और प्रदूषण के संपर्क में रहने वाले कामगार विशेष रूप से जोखिम में हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मौजूदा स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और संवेदनशील समूहों व जोखिम वाले समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाने की सिफारिश की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते प्रदूषण स्तर से बचने के लिए, लोगों को एहतियाती कदम उठाने चाहिए, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को बाहर जाने से बचना चाहिए।

उत्तर बैरकपुर नगरपालिका के वाइस चेयरमैन की संदिग्ध मौत मामले में तीन गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

उत्तर बैरकपुर नगरपालिका के वाइस चेयरमैन व तृणमूल कांग्रेस के पार्षद सत्यजीत बंद्योपाध्याय की संदिग्ध हालात में मौत मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके नाम जयश्री दास, शुभजीत बिश्वास व शुक्ला बिश्वास हैं। कहा जा रहा है कि सत्यजीत बंद्योपाध्याय के शव के पास से जो कथित सुसाइड नोट मिला था, उनमें इन तीनों के नाम हैं। सत्यजीत बंद्योपाध्याय का शव उनके घर में फंदे से लटकती हालत में मिला था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, सत्यजीत बीते गुरुवार को लापता हो गए थे, हालांकि शुक्रवार की रात खुद ही घर लौट आए थे।

कुछ देर बाद वे फिर बाहर निकल गए थे। जाते वक्त अपना मोबाइल भी घर में छोड़कर गए थे। अगले दिन सुबह घर में ही फंदे से लटकी हालत में उनका शव बरामद हुआ। सत्यजीत के स्वजनों का दावा है कि फर्जी वीडियो तैयार करके उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा था। शव के पास से ढाई पन्नों का एक कथित सुसाइड नोट मिला है।

बिजली चलित मनमोहक लाइट की कलाकृति देखने के लिए दर्शनार्थियों की उमड़ी भीड़

हुगली : साल 2024 की अंतिम पूजा यानी कार्तिक पूजा का विधिवत विसर्जन हो गया। इससे पहले शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में 45 पूजा कमेटियों को प्रशासन के तरफ से अनुमति मिली। तरह-तरह के बैंड बाजे बिजली चलित मनमोहक लाइट की कलाकृति देखने के लिए दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। नम आंखों से भगवान कार्तिक को अंतिम विदाई दी गई। अलग अलग पूजा कमेटियों ने अलग अलग तरह से प्रस्तुति दी। साहागंज-बांसबेड़िया सेंट्रल कार्तिक पूजा कमिटी के तरफ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मौके पर विधायक तपन दास गुप्ता, असित मजूमदार, चंदननगर पुलिस कमिश्नर

अमीत पी जवालगी, एसडीओ स्मिता सान्याल शुक्ला, डीसी मुख्यालय इशानी पाल, डीसी चंदननगर अलकनंदा भोवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखा कर कार्तिक पूजा की शोभायात्रा का शुभारंभ किया। लगभग 12 किमी की शोभायात्रा देखने के लिए लाखों की संख्या में दर्शनार्थी सड़क के दोनों किनारे मौजूद रहे। लाइटिंग की तिलिस्म और एक बढ़ कर एक झाकियां निकाली गईं। 45 पूजा कमिटियों में दो कमिटियों ने इलाके में दुखद घटना घटित होने के कारण हिस्सा नहीं लिया। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस और चुंचुड़ा थाना प्रभारी रामेश्वर ओझा और उनकी टीम सुरक्षा की कमान संभाले रहे।

हुगली जिला ग्रामीण पुलिस एडिशनल एसपी कल्याण सरकार, डीएसपी क्राइम अभिजित सिन्हा महापात्र, सीआई सौमेन बिश्वास, मगरा थाना प्रभारी दीपंकर सरकार, बांसबेड़िया मिल फाड़ी इंचार्ज सुजीत राय और पुलिस बल लगातार इलाके में गश्त लगाते रहे। मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय रहा। किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा।

बारासात स्टेशन के निकट बाजार में लगी भयावह आग, कई दुकानें जलकर राख

कोलकाता, समाज्ञा

बारासात स्टेशन से सटे बाजार में बुधवार की दोपहर भयावह आग लग गई। आग से कई दुकानें जल गईं। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन काफी नुकसान हुआ है। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका था। सूत्रों के अनुसार, बारासात स्टेशन के निकट गेट नंबर 12 से सटे हरितला बाजार इलाके में बुधवार की दोपहर आग लग गयी। इस घटना में करीबन छह कपड़े की दुकानें जलकर राख हो गईं। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना पाकर दमकल की दो गाड़ियां मौके

पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू हुआ। आरोप है कि दमकल की गाड़ियों के पहुंचने से पहले ही बाजार में कई कपड़े की दुकानें जलकर राख हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि बारासात-सियालदह शाखा स्टेशन से सटे रेलगेट नंबर 12 के रेलवे तार में शॉर्ट सर्किट हुआ जिसकी वजह से आग लगी। देखते ही देखते आग बाजार में कपड़े की दुकान में फैल गई।

गर्भपात के दौरान नाबालिग की मौत, आरोपी चिकित्सक को अदालत में किया पेश

बांकुड़ा : हावड़ा जिले की एक नाबालिग की बांकुड़ा में गैरकानूनी रूप से गर्भपात के दौरान मौत हो गयी। इस मामले में मृतक नाबालिग के प्रेमी और उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हावड़ा जिले के डोमजूर इलाके की एक किशोरी गर्भवती हो गई थी। 15 नवंबर को किशोरी के प्रेमी राहुल बाउरी उसे दक्षिणेश्वर ले जाने के बहाने बांकुड़ा ले आया। बांकुड़ा के छातना इलाके में स्थानीय डॉक्टर की मदद से उसका गर्भपात कराया। जिसके बाद, गलत इलाज के कारण नाबालिग गंभीर रूप से बीमार पड़ गयी। नाबालिग को बांकुड़ा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पूछताछ के दौरान नाबालिग के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद छातना थाने की पुलिस ने मंगलवार की रात विश्वजीत बंद्योपाध्याय नामक उस चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, नाबालिग के परिवार से शिकायत मिलने के बाद छातना थाने की पुलिस ने आरोपी प्रेमी राहुल बाउरी और उसके पिता धीरेंद्रनाथ बाउरी को गिरफ्तार भी कर लिया। मंगलवार को जब दोनों आरोपियों को बांकुड़ा जिला न्यायालय में पेश किया गया तो पुलिस के आवेदन के आधार पर बांकुड़ा जिला न्यायालय ने दोनों को 5 दिनों तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया। वहीं, गिरफ्तार डॉक्टर को बुधवार को बांकुड़ा जिला अदालत में पेश किया गया।

कुलपी के नदी में तैरता मिला अज्ञात युवक का शव

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण 24 परगना जिले के कुलपी थानांतर्गत रांगाफला इलाके की एक नदी के तैरता हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गयी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस स्थानीय लोगों से बातचीत कर युवक की पहचान जानने की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, गत सोमवार को डायमंड हार्बर के तरफ से एक युवक ने हुगली नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, उसकी पहचान भी नहीं मिल पायी है। ऐसे में पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह शव उसी युवक का है ही या नहीं। इस मामले की जांच जारी है।

कटिहार एक्सप्रेस में बाली के तबला शिक्षक का मिला लहूलुहान शव, मची सनसनी

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा स्टेशन पहुंचने के बाद कटिहार एक्सप्रेस में एक तबला वादक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। बताया जा रहा है कि मृतक का नाम सौमित्र चट्टोपाध्याय(60) है। वह बाली के घोषपाड़ा के रहने वाले हैं और पेशे से तबला के शिक्षक हैं।

मंगलवार की सुबह कटिहार एक्सप्रेस के हावड़ा पहुंचने के बाद विकलांग कक्ष की एक सीट में शिक्षक का शव मिला। पुलिस ने पुष्टि की कि उनकी हत्या की गई है क्योंकि उनकी छाती और पेट में तीन बार चाकू मारने का निशान मिला है। मृतक के पास कोई पहचान पत्र या टिकट नहीं मिला था। जिस कारण पहले तो उनकी पहचान नहीं हो पाई। बाद में परिजनों ने शव की पहचान की।

परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, सौमित्र चट्टोपाध्याय तबला सिखाने के लिए कटिहार गए थे। वे सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे बिहार के कटिहार से ट्रेन में सवार हुए। रात में घर के लोगों से कोई संपर्क नहीं हुआ। ट्रेन सुबह करीब साढ़े सात बजे हावड़ा पहुंची, जिसके बाद उनका शव मिला। शुरुआत में रेलवे पुलिस का मानना था कि मालदह से पहले ट्रेन में उनकी हत्या कर दी गयी। मालदह और उससे पहले के स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इस घटना के बाद से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहा है। इस मामले की सूचना बिहार रेलवे पुलिस को भी दी गई है।

पूर्व रेलवे ने बिना टिकट यात्रा करने वाली घटनाओं को रोकने के लिए उठाए कदम

1 नवंबर से 15 नवंबर के बीच 89,606 व्यक्तियों को पकड़ा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करती रहती है। इसके तहत, 1 नवंबर से 15 नवंबर के बीच 89,606 व्यक्तियों को वैध टिकट के बिना या बिना बुक किए सामान के साथ यात्रा करते हुए पकड़ा। यह महत्वपूर्ण संख्या टिकट रहित यात्रा की निरंतर समस्या को उजागर करती है। इस पकड़ाए गए यात्रियों में हावड़ा डिवीजन में 34,436 यात्री, सियालदह डिवीजन में 32,096 यात्री, आसनसोल डिवीजन में 19,065 यात्री और मालदह डिवीजन में 4,009 यात्री शामिल है। पूर्व रेलवे ने यात्रियों के लिए टिकट खरीदारी को आसान और कुशल बनाने के लिए नवंबर 2024 तक, कुल 1,051 टिकट काउंटरों को अब क्यूआर कोड भुगतान उपकरणों से लैस कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने की संभावना को कम करते हुए एक सहज और सुविधाजनक टिकट खरीद अनुभव प्रदान करना है। इनमें 807 अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) काउंटर, 159 यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटर, 85 एकीकृत यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटर शामिल है। यात्री अब काउंटर पर क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपी-आई, पेटीएम, फोनपे और गूगल पे सहित लोकप्रिय मोबाइल भुगतान ऐप का उपयोग करके टिकट खरीद सकते हैं।

यह पहल डिजिटल इंडिया और कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था के राष्ट्रीय उद्देश्यों से जुड़ी है। यात्रियों को डिजिटल भुगतान का विकल्प प्रदान करके, पूर्वी रेलवे सार्वजनिक सेवाओं में कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने, यात्रियों के लिए सुविधा और सुरक्षा दोनों को बढ़ाने के व्यापक लक्ष्य में योगदान दे रहा है।

पांच सौ साल पहले एकजुट हुए होते, तो नहीं देखना पड़ता गुलामी का मुंह : आदित्यनाथ

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों से ज्यादा समय से रुका हुआ राम मंदिर निर्माण का काम सनातनियों की एकता के कारण महज दो वर्षों में पूरा हो गया और अगर देश 500 साल पहले एकजुट होता तो उसे गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता। आदित्यनाथ ने आज अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। इस अवसर पर देशभर से आए साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण और सनातन धर्म की एकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'जो काम 500 सालों से रुका हुआ था, जिसके लिए न जाने कितनी पीढ़ियों ने बलिदान दिया, वो केवल सनातनियों के एकजुट होने मात्र पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी जी के नेतृत्व में दो वर्ष में ही पूरा हो गया। अगर 500 साल पहले हमने एकता दिखाई होती, तो गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता।' मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त हुआ है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में की पूजा-अर्चना

अयोध्या : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे जिस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी और रामलला मंदिर में दर्शन-पूजन किया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमत दरबार में हाजिरी लगाई। उसके बाद उन्होंने श्रीरामलला के मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने दोनों मंदिरों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

राजस्थान पुलिस ने इनामी बदमाश को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

जयपुर : राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्य बल (एजीटीएफ) ने एक इनामी बदमाश को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार बदमाश घनश्याम पर 25 हजार रुपये का इनाम है और वह डकैती के मामले में आठ साल से वांछित था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) दिनेश एमएन ने बताया कि हथियारों की बल पर लूट-डकैती व सेंधमारी की वारदात को अंजाम देने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के सरगना घनश्याम उर्फ श्याम बावरी (67) को गिरफ्तार किया गया है। वह धनुपरा, जिला बदायूं (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। घनश्याम बावरी पर डकैती के आठ साल पुराने मामले में 25000 रुपये का इनाम घोषित है। एजीटीएफ की टीम ने उसे उसके गांव से पकड़ कर थाना गोठन, नागौर के सुपुर्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि घनश्याम अन्तर्राज्यीय बावरिया गिरोह का सरगना है। इसके खिलाफ नागौर जिले के थाना गोठन, मेड़ता सिटी एवं बिहार के सीतामढ़ी जिले के विभिन्न स्थानों में लूट, डकैती व सेंधमारी के अलावा हत्या का प्रयास एवं सशस्त्र कानून समेत 11 मुकदमे दर्ज हैं।

प्रयागराज में प्रधानमंत्री के आगमन से पहले पहुंच सकता है अत्याधुनिक क्रूज

प्रयागराज : सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ मेले में अत्याधुनिक सुविधाओं वाला क्रूज भी लोगों के आकर्षण का केंद्र हो सकता है। इस दिशा में 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित प्रयागराज यात्रा से पहले इस क्रूज को काशी से प्रयागराज लाने की कवायद की जा रही है। अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि काशी से क्रूज को प्रयागराज लाने के लिए मेला प्राधिकरण की ओर से वाराणसी के जिलाधिकारी को प्रस्ताव भेजा गया है और इस पर जल्द निर्णय किए जाने की संभावना है। उम्मीद है कि पांच दिसंबर तक 'निषादराज' क्रूज प्रयागराज पहुंच जाए। उन्होंने बताया कि इसी तरह, 'अलकनंदा' और 'विवेकानंद' क्रूज को भी प्रयागराज लाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। ये क्रूज महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकते हैं।

न्यूज अपडेट

नियोजित अध्यापक 'विशिष्ट शिक्षक' बनने के बाद भी अपने वर्तमान तैनाती स्थल पर बने रहेंगे: नीतीश कुमार

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि सरकारी स्कूलों में कार्यरत वे शिक्षक अपनी वर्तमान तैनाती स्थल पर बने रहेंगे जिनकी सेवाएं हाल ही में नियमित की गई हैं। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन से 2.5 लाख से अधिक नियोजित शिक्षकों (पंचायत शिक्षक- जिन्हें वैकल्पिक रूप से नियोजित शिक्षक भी कहा जाता है) को राहत मिली है जो दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अब 'विशिष्ट शिक्षक' बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणी राज्य शिक्षा विभाग द्वारा अपनी स्थानांतरण नीति को स्थगित किये जाने के एक दिन बाद की। इस नीति से प्रभावित कई शिक्षकों ने पटना उच्च न्यायालय का रुख किया था। पटना में दक्षता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, नियोजित शिक्षक अपने नये पदस्थापन को लेकर परेशान हैं, इसलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि जो नियोजित शिक्षक जिस जगह पर काम कर रहे हैं, वे 'विशिष्ट शिक्षक' बनने के बाद भी उसी स्थान पर काम करते रहेंगे और इनके नये पदस्थान पर बाद में निर्णय लिया जायेगा। राज्य के कई जिलों में दक्षता परीक्षा पास करने वाले 1.14 लाख विशिष्ट शिक्षकों को सरकार ने बुधवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले शिक्षकों में 98,349 प्राथमिक शिक्षक, 12,524 माध्यमिक शिक्षक और 3,265 उच्चतर माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं।

राजस्थान सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट को कर-मुक्त किया

जयपुर : राजस्थान सरकार ने फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को कर-मुक्त करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को राजस्थान में कर-मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है।' शर्मा के अनुसार, 'यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल-खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया। यह फिल्म न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय के भ्रामक एवं मिथ्या प्रचार का भी खंडन करती है।

पूर्व विधायक मलिंगा ने अदालत में आत्मसमर्पण किया

जयपुर : पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने बिजली विभाग के अभियंता से मारपीट के मामले में बुधवार को धौलपुर की एक अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। मलिंगा ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अजा/जजा) अदालत के सामने आत्मसमर्पण किया और वहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मलिंगा के अधिवक्ता आदित्य मिश्रा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने मलिंगा को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था और आदेश का पालन करते हुए उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। धौलपुर जिले के बिजली विभाग के बाड़ी कार्यालय में 28 मार्च, 2022 को दो इंजीनियरों के साथ कथित तौर पर मारपीट के बाद विधायक मलिंगा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मलिंगा ने मई 2022 में जयपुर में पुलिस आयुक्त के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई थी।

भदोही में कालीन के कारखाने से 10 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया

भदोही (उप्र) : भदोही जिले में पुलिस की मानव तस्करी रोधी इकाई और श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने एक कालीन कारखाना में छापा मारकर 10 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया है जिनमें बिहार के नौ और पश्चिम बंगाल का एक बाल श्रमिक है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली इलाके में हसनैन अंसारी उर्फ गुड्डू के कारखाने पर छापा मारने के दौरान मालिक भाग गया। उन्होंने बताया कि एक संगठन की सूचना पर बुधवार दोपहर टीम ने कालीन कारखाना में बुनकरों के साथ उनके सहायक के तौर पर 10 बाल श्रमिकों को काम करते पाया जिन्हें मुक्त कराने के बाद बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पी सी उपाध्याय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन सभी बच्चों की उम्र आठ साल से 13 साल के बीच है, अब उनकी मेडिकल जांच कराई जा रही है और आगे की कारवाई बाल कल्याण समिति में बच्चों के दर्ज बयान के अनुसार की जा रही है।

निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन न करने पर पांच पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ/ कानपुर/ मुजफ्फरनगर/ मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश में कानपुर के सीसामऊ और मुजफ्फरनगर के मीरापुर और मुरादाबाद के कुंदरकी में उपचुनाव के लिए ड्यूटी पर तैनात कुल पांच पुलिसकर्मियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के आरोप में बुधवार को निलंबित कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने बताया कि शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए चुनाव ड्यूटी पर तैनात पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। रिणवा ने कहा, 'निलंबित पुलिसकर्मियों में कानपुर और मुजफ्फरनगर में दो-दो और मुरादाबाद का एक पुलिसकर्मी शामिल है। हम सभी शिकायतों पर संज्ञान लेते हैं और तुरंत उसका सत्यापन करते हैं, जिसके बाद कार्रवाई की जाती है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा नहीं है कि निर्वाचन आयोग शिकायतों का संज्ञान नहीं लेता। रिणवा ने कहा, 'यह स्पष्ट कर दिया गया है कि केवल चुनाव अधिकारी ही मतदाताओं के पहचान-पत्रों की जांच करेंगे, मतदान केंद्र के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी नहीं। वे सुरक्षा जांच के लिए अपनी ड्यूटी कर सकते हैं।'

बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र है शिक्षा: धनखड़

जयपुर : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा को बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र बताते हुए बुधवार को कहा कि यह समाज में समानता को बढ़ावा देती है। वह झुंझुनूं जिले के काजड़ा में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा बदलाव का सबसे बड़ा केंद्र है। शिक्षा समाज में समानता को बढ़ावा देती है। शिक्षा समाज में असमानता को कुंठित करती है।' उन्होंने कहा, 'ज्ञानं अहम्। अर्थात, ज्ञान ही एक ऐसा है जो अहम है। शिक्षा हमें जो चरित्र देती हैं वही हमें परिभाषित करता है।' आधिकारिक बयान के अनुसार धनखड़ ने अनुशासन, संस्कार और मानव निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, आपकी उम्र में संस्कारी बनना आवश्यक है। माता-पिता का सम्मान करना, गुरुजनों को प्रणाम करना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और अनुशासन दिखाना आपके जीवन के अभिन्न हिस्से होने चाहिए। मानव निर्माण के लिए श्रेष्ठ आदतों का संचार आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

महाकुम्भ में अग्नि सुरक्षा के लिए विशेष वाहनों की होगी तैनाती

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश सरकार पहली बार महाकुम्भ में 'ऑल टेरेन व्हीकल' नाम के विशेष वाहनों की तैनाती कर रही है जो आग बुझाने के लिए कुछ ही सेकेंडों में घटनास्थल पर पहुंचने में सक्षम होंगे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुम्भ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि ये वाहन आग बुझाने के सभी अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त हैं और रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेंगे। आपात स्थिति में अग्निशमन विभाग के प्रशिक्षित कर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में नजर रख सकेंगे। उन्होंने बताया कि पहली बार महाकुम्भ मेले में इन वाहनों का उपयोग किया जाएगा जिसके लिए चार 'ऑल-टेरेन व्हीकल' प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसे चलाने और उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 नवंबर को बैटरी चालित इन चारों वाहनों समेत अन्य उपकरणों का उद्घाटन कर सकते हैं। शर्मा ने बताया कि चार 'ऑल-टेरेन व्हीकल' को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन वाहनों को मुख्यमंत्री स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं, जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे जिससे आग को फैलने से रोका जा सकेगा।

समाज्ञा हेल्थ

क्या आपको भी लगती है बहुत ज्यादा ठंड?

देश के कई राज्यों में देर से ही सही ठंड की शुरुआत हो चुकी है। मौसम में बदलाव के साथ सर्दियों के कपड़े भी निकल गए हैं। सर्द मौसम में ठंड लगना एक आम बात है, लेकिन क्या अभी से आपको बहुत ज्यादा सर्दी लगने लगी है?

आमतौर पर देखा जाता है कि एक ही वातावरण में कुछ लोग सामान्य रह लेते हैं जबकि कुछ लोगों को बहुत ज्यादा ठंड लगती रहती है। आपको भी अगर अक्सर बहुत ठंड लगती रहती है तो सावधान हो जाइए, कुछ मामलों में ये विटामिन्स की कमी या बीमारियों का संकेत भी हो सकता है।

ज्यादा ठंड लगने के कारण

ठंड के प्रति असहिष्णुता या बहुत ज्यादा ठंड लगना वैसे तो कोई बीमारी नहीं है, हालांकि इसे किसी अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या का लक्षण जरूर माना जा सकता है। कई मामलों में देखा गया है कि एनीमिया, हाइपोथायरायडिज्म, फाइब्रोमायल्जिया या एनोरेक्सिया जैसी स्थितियों के शिकार लोगों को अन्य लोगों की तुलना में अधिक ठंड लगती है।

डॉक्टर कहते हैं, अगर आप क्रोनिक बीमारियों के शिकार हैं या शरीर में फैट कम है तो भी आपको अधिक ठंड का एहसास हो सकता है।

कहीं आपमें विटामिन-बी 12 की कमी तो नहीं

डॉक्टर कहते हैं, बहुत अधिक ठंड लगना कई बार शरीर में जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की कमी से भी हो सकता है। अगर शरीर में विटामिन बी12 की कमी है तो ठंड अधिक महसूस हो सकती है। यह विटामिन लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन और ऑक्सीजन के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस विटामिन की कमी होने पर शरीर लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन नहीं कर पाता, जिससे एनीमिया हो सकता है। विटामिन बी12 की कमी से सिर्फ ठंड ही नहीं, बल्कि थकान कमजोरी भी हो सकती है।

थायरॉइड की समस्या

थायरॉइड ग्रंथि में समस्या होने से थायरॉइड ग्रंथि पर्याप्त हार्मोन नहीं बना पाती है, जो अधिक ठंड लगने का एक कारण है। अगर शरीर में रक्त संचार सही ढंग से नहीं हो पा रहा है तो आपको अधिक ठंड लग सकती है। इसके अलावा आयरन की कमी, धमनी के रोग, डायटिंग करने से, कम वजन वाले और डायबिटीज से पीड़ित होने पर भी अधिक ठंड लग सकती है। डिहाइड्रेशन की वजह से शरीर तापमान में होने वाले बदलावों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाता है, जिससे अधिक ठंड लगती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी.बी. मिश्रा कहते हैं, अगर आपको ठंड अधिक महसूस हो रही है तो तुरंत सचेत हो जाएं और उचित उपचार कराएं। लंबे समय तक पोषक तत्वों की कमी होने से शरीर में कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। खान-पान और दिनचर्या में सुधार करके इस तरह की दिक्कतों में आराम पाया जा सकता है। अगर आपको विटामिन-बी12 या फिर थायरॉइड की समस्या है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। इन स्थितियों का समय पर उपचार न हो पाने के कारण कई तरह की जटिलताओं का जोखिम हो सकता है।

किस मौसम में क्या खाएं और किन चीजों से करें परहेज?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार पर विशेष ध्यान देते रहना जरूरी है। हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं इसका शरीर पर सीधा असर होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आहार की पौष्टिकता पर ध्यान देते रहना चाहिए। भोजन की थाली में मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों, नट्स और सीड्स को जरूर शामिल करना चाहिए। इसके अलावा मौसम के हिसाब से भी खान-पान में बदलाव करते रहना चाहिए।

आयुर्वेद के साथ मेडिकल साइंस ने भी माना है कि अगर हम सभी अपने आहार में ही सुधार कर लें तो न सिर्फ शरीर को फिट रख सकते हैं साथ ही ये आपको कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में भी मददगार है।

आयुर्वेद में मौसम आधारित खान-पान के चयन को लेकर जिक्र मिलता है। आइए जानते हैं कि आपको किस मौसम में क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए?

चैत्र (मार्च-अप्रैल) – इस महीने में चने का सेवन करें क्योकि चना आपके रक्त संचार और रक्त को शुद्ध करता है एवं कई बीमारियों से भी बचाता है। चैत्र के महीने में नित्य नीम की 4- 5 कोमल पतियों का सेवन भी करना चाहिए इससे आप इस महीने के सभी दोषों से बच सकते है।

वैशाख (अप्रैल-मई)– वैशाख महीने में गर्मी की शुरुआत हो जाती है। बेल का इस्तेमाल इस महीने में अवश्य करना चाहिए जो आपको स्वस्थ रखेगा। वैशाख के महीने में तेल का उपयोग बिल्कुल न करें क्योकि इससे आपका शरीर अस्वस्थ हो सकता है।

ज्येष्ठ (मई-जून)– भारत में इस महीने में सबसे अधिक गर्मी होती है। ज्येष्ठ के महीने में दोपहर में सोना स्वास्थ्य वर्द्धक होता है। ठंडी छाछ , लस्सी, जूस और अधिक से अधिक पानी का सेवन करें। बासी खाना, गरिष्ठ भोजन एवं गर्म चीजों का सेवन न करें।

अषाढ़ (जून-जुलाई)– आषाढ़ के महीने में आम, पुराने गेंहू, सत्तु, जौ, भात, खीर, ठण्डे पदार्थ, ककड़ी, पलवल, करेला आदि का सेवन करे। आषाढ़ के महीने में भी गर्म तासीर की चीजों का सेवन करना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

श्रावण (जूलाई-अगस्त)– श्रावण के महीने में हरड काफी लाभकारी हैं। श्रावण में हरी सब्जियों का त्याग करे एव दूध का इस्तेमाल भी कम करें। भोजन की मात्रा भी कम लें। पुराने चावल, पुराने गेंहू, खिचड़ी, दही एवं हलके सुपाच्य भोजन खाएं।

भाद्रपद (अगस्त-सितम्बर)– इस महीने में हल्के सुपाच्य भोजन का सेवन करें। वर्षा का मौसम् होने के कारण आपकी जठराग्नि भी मंद होती है इसलिए भोजन सुपाच्य ग्रहण करें।

आश्विन (सितम्बर-अक्तूबर)– इस महीने में दूध , घी, गुड़ , नारियल, मुन्नका, गोभी आदि का सेवन कर सकते हैं। ये गरिष्ठ भोजन है लेकिन फिर भी इस महीने में पच जाते हैं क्योंकि इस महीने में हमारी जठराग्नि तेज होती है।

कार्तिक (अक्टूबर-नवम्बर)– कार्तिक महीने में गरम दूध, गुड़, घी, शक्कर, मूली खाएं। ठंडे पेय पदार्थों से दूरी बनाएं। छाछ, लस्सी, ठंडा दही, ठंडा फ्रूट जूस आदि का सेवन न करे , इनसे आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है।

अगहन (नवम्बर-दिसम्बर)– इस महीने में ठंडी और अधिक गरम चीजों का सेवन कम से कम करें।

पौष (दिसम्बर-जनवरी)– इस ऋतु में दूध, खोया एवं खोये से बने पदार्थ, गौंद के लाड़ू, गुड़, तिल, घी, आलू, आंवला आदि का सेवन करे, ये पदार्थ आपके शरीर को स्वस्थ रखते हैं। ठण्डी चीजें, पुराना अन्न, मोठ, कटु और रुक्ष भोजन का सेवन कम करें।

माघ (जनवरी-फरवरी)– इस महीने में भी आप गरम और गरिष्ठ भोजन का सेवन कर सकते है। घी, नए अन्न, गौंद के लड्डू आदि का प्रयोग कर सकते है।

फाल्गुन (फरवरी-मार्च)– इस महीने में गुड़ का सेवन करें। सुबह के समय योग एवं स्नान का नियम बना ले। चने का उपयोग न करें।

दर्द निवारक दवाएं आपके लिए कहीं हो न जाएं जानलेवा

क्या आप भी शरीर में हल्का सा भी दर्द होने पर तुरंत पेनकिलर ले लेते हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाइए इससे आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है। अब तक के कई अध्ययनों में स्वास्थ्य विशेषज्ञ आगाह करते रहे हैं कि ज्यादा पेनकिलर लेने से दीर्घकालिक रूप में किडनी और लिवर जैसे अंगों के क्षति की समस्या हो सकती है।

वहीं एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि कुछ लोगों में पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव (Internal Bleeding) होने का जोखिम दो गुना तक बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बिना डॉक्टरी सलाह के आपको किसी भी तरह की दवा लेने से बचना चाहिए, इसके गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग पहले से ही रक्त को पतला करने वाली दवाएं (Blood thinners) ले रहे हैं, उनमें पेनकिलर के कारण आंतरिक रक्तस्राव का खतरा अधिक हो सकता है। अगर आप बिना डॉक्टरी सलाह के बार-बार या लंबे समय तक इस तरह की दवाएं लेते रहते हैं तो अलर्ट हो जाइए।

किडनी डैमेज का रहता है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया, अगर आप बार-बार ओवर-द-काउंटर एसिटामिनोफेन, एस्पिरिन, इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सन जैसी दवाओं का सेवन करते रहते हैं तो इसके कारण भविष्य में आपको किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसे मेडिकल की भाषा में एनाल्जेसिक नेफ्रोपैथी कहा जाता है।

जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन के विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट में बताया कि दर्द निवारक दवाएं जिनमें दो या उससे ज्यादा सॉल्ट (जैसे एस्पिरिन और एसिटामिनोफेन) हैं, अगर आप लंबे समय तक इसे लेते रहते हैं तो इसके कारण आपमें किडनी डैमेज होने का खतरा काफी बढ़ सकता है।

हो सकता है आंतरिक रक्तस्राव

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग पहले से ही खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं, अगर वह बिना डॉक्टरी सलाह के अक्सर इबुप्रोफेन या नेप्रोक्सन जैसी गैर-स्टेरायडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएं (NS-ID) भी लेते रहते हैं तो उनमें आंतरिक रक्तस्राव का जोखिम दोगुना हो सकता है। इन दवाओं को दर्द निवारक के रूप में जाना जाता है।

आमतौर पर स्ट्रोक, दिल के दौरे या पैरों-फेफड़ों में रक्त के थक्कों के इलाज या रोकथाम के लिए ब्लड थिनर दवाएं दी जाती हैं।

हार्ट के मरीज बरतें विशेष सावधानी

डॉक्टर कहते हैं, ब्लड थिनर का सबसे ज्यादा उपयोग हार्ट के मरीज करते हैं, क्योंकि इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। इसके अलावा छड-खऊ दवाओं में भी रक्त को पतला करने वाले गुण होते हैं, ऐसे में इन दोनों के संयोजन के कारण आंत, मस्तिष्क, फेफड़े और मूत्राशय में अनियंत्रित रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर रक्तस्राव की समस्या का समय पर निदान न हो पाए या फिर इसका उचित इलाज न मिले तो इसके कारण जान जाने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए किसी भी तरह की दवा लेने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

क्या है डॉक्टर की सलाह?

नोएडा स्थित एक अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव कहते हैं, हल्का सा सिरदर्द या बदन दर्द होने पर हम सभी ओवर द काउंटर दर्द निवारक दवाएं लाकर खा लेते हैं। इनसे आपको फौरी तौर पर आराम तो मिल जाता है, पर दीर्घकालिक रूप में ये काफी हानिकारक है। विशेषतौर पर यदि आप अक्सर या लंबे समय तक ये दवाएं लेते रहते हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी दवा के सेवन से बचा जाना चाहिए।

पैदल चलने से होते हैं शरीर को गजब के फायदे

स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक सक्रियता जरूरी है। इसके लिए रोजाना एक्सरसाइज कर सकते हैं लेकिन अगर आप एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं तो वॉक को अपने रूटीन में शामिल करें। रोजाना पैदल चलने की आदत शारीरिक सक्रियता को बढ़ाती है, साथ ही कई स्वास्थ्य लाभ दिलाती है। पैदल चलने के कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। जैसे हृदय स्वास्थ्य बेहतर बनता है। वजन घटाने में मदद मिलती है। हड्डियों की मजबूती, मानसिक स्वास्थ्य और जोड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

हर किसी को रोजाना कुछ कदम पैदल चलना ही चाहिए लेकिन क्या आपको पता है कि कितने कदम या किलोमीटर पैदल चलने से शरीर पर सकारात्मक असर होगा। क्या बहुत ज्यादा पैदल चलने से नुकसान भी हो सकता है या कितना फायदा हो सकता है? आइए जानते हैं स्वास्थ्य लाभ के लिए एक दिन में कितने कदम पैदल चलना चाहिए।

एक दिन में कितने कदम चलना चाहिए?

एक दिन में लगभग 10000 कदम चलने की सलाह दी जाती है। 10000 कदम लगभग 7 से 8 किलोमीटर की दूरी के बराबर होती है। हालांकि व्यक्ति की आयु, स्वास्थ्य और फिटनेस के स्तर पर पैदल चलने की क्षमता पर भी ये निर्भर करता है।

सामान्य तौर पर 10000 कदम पैदल चलना अच्छे स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। साथ ही वजन घटाने में मदद मिलती है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी पैदल चलना लाभकारी है।

शुरुआत में कितने कदम चलें?

हालांकि अगर आप वॉक करने की शुरुआत कर रहे हैं और ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं तो पहले ही दिन से 10000 कदम चलकर शरीर पर अधिक दबाव न बनाएं। शुरुआत में 5000 से 7000 कदम का लक्ष्य बनाएं। धीरे-धीरे कदमों की संख्या बढ़ाने का प्रयास करें।

बुजुर्गों को कितना पैदल चलना चाहिए?

इस बात का भी ध्यान रखें कि अगर वृद्ध व्यक्ति वॉक पर जा रहे हैं तो उनके लिए 4000 से 6000 कदम पर्याप्त हो सकते हैं। अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही पैदल चलना चाहिए। वृद्ध शरीर 10000 कदम पैदल चलने के लिए सक्षम नहीं होता, ऐसे में क्षमता का ध्यान रखें।

वजन घटाने के लिए कितने कदम चलना चाहिए?

वहीं जो लोग वजन घटाने के उद्देश्य से या फिट रहने के लिए जीवनशैली में सक्रियता को बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें 12000 से 15000 कदम चलने का प्रयास करना चाहिए। वजन कम करने के लिए सुबह 30 मिनट टहलें। लंच ब्रेक या रात के खाने के बाद 15-30 मिनट टहलें।

चार राज्यों में विधानसभा उपचुनावों में 50 से 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड में 15 विधानसभा सीट पर उपचुनाव में बुधवार को हिंसा की छिटपुट घटनाओं और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनियमितताओं तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की शिकायतों के बीच 50 से 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ। उत्तर प्रदेश में कटेहरी, करहल, मीरापुर, गाजियाबाद, मझावन, सीसामऊ, खैर, फूलपुर और कुंदरकी सीट पर, पंजाब में गिद्दड़बाहा, डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल (आरक्षित) और बरनाला सीट पर, केरल में पलक्कड़ और उत्तराखंड में केदारनाथ सीट पर मतदान हुआ। उपचुनाव में केरल में मतदान प्रतिशत 70.51 रहा, जबकि पंजाब में 63, उत्तराखंड में 57.64 और उत्तर प्रदेश में 49.3 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला। अंतिम आंकड़ों में बदलाव होने की संभावना है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मतदाता पहचान-पत्र और आधार पहचान-पत्र की जांच करने को लेकर शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, निर्वाचन आयोग ने उसके (आयोग के) दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले उप्र के पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया। गाजियाबाद (33.30 प्रतिशत), कटेहरी (56.69 प्रतिशत), खैर (46.43 प्रतिशत), कुंदरकी (57.32 प्रतिशत), करहल (53.92 प्रतिशत), मझवां (50.41 प्रतिशत), मीरापुर (57.02 प्रतिशत), फूलपुर (43.43 प्रतिशत), सीसामऊ (49.03 प्रतिशत) में मतदान हुआ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने दावा किया कि कुछ जगहों पर पुलिसकर्मी लोगों की पहचानपत्रों की जांच कर रहे हैं और

उन्हें मतदान करने से रोक रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुर्का पहनी महिला मतदाताओं की पहचान की जांच के लिए निर्वाचन आयोग से हस्तक्षेप करने की भी मांग की, उसने दावा किया कि उनकी पहचान उनके चेहरे से मेल नहीं खाती। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि शिकायतों पर ध्यान देते हुए चुनाव ड्यूटी पर तैनात पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कानपुर और मुजफ्फरनगर में दो-दो और मुरादाबाद में एक पुलिस कर्मी को निलंबित किया गया है। उप्र में मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान के दौरान ककरौली गांव में दो समूहों के बीच टकराव के बाद पथराव की घटना हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ''हल्का बल'' प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर किया। सपा उम्मीदवार सुम्बुल राणा ने आरोप लगाया कि पुलिस पहचान पत्रों की जांच के नाम पर मतदाताओं को परेशान कर रही। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) उम्मीदवार मिथलेश पाल ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी मिली है कि निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लोगों को ''फर्जी मतदान'' के लिए बुलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''इन लोगों को मदरसों और विद्यालयों में ठहराया गया है।'' पाल ने यह भी दावा किया कि ''बुर्का पहनी महिलाओं'' द्वारा फर्जी मतदान किया जा रहा है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा, ''मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड की जांच करने वाले सभी पुलिस अधिकारियों को वीडियो साक्ष्य के आधार पर तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए। पुलिस को आधार आईडी कार्ड या पहचान पत्र की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है।'' विपक्षी पार्टी के दावों का प्रतिकार करते हुए भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया उपचुनाव में शिकस्त मिलने की आशंका को लेकर डरे हुए हैं। शुक्ला ने कहा, सपा ने मतदाताओं पर भरोसा खो दिया है। इसीलिए उपचुनाव वाले क्षेत्रों में बाहरी उपद्रवी तत्वों को इकट्ठा किया है। मीडिया की खबरों के मुताबिक, बुर्का पहनी महिलाओं के चेहरे उनके पहचान पत्र से मेल नहीं खा रहे हैं। पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में केदारनाथ सीट पर शाम पांच बजे तक 57.64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ विधानसभा सीट इस साल जुलाई में भाजपा विधायक शैला रानी रावत के निधन के कारण रिक्त हुई थी। पंजाब में चार विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में शाम पांच बजे तक 63 प्रतिशत मतदान हुआ। गिद्दड़बाहा सीट पर 81 प्रतिशत, डेरा बाबा नानक में 63 प्रतिशत, बरनाला में 54 प्रतिशत और चब्बेवाल में 53 प्रतिशत मतदान हुआ। डेरा बाबा नानक क्षेत्र के डेरा पठाना गांव में आप और कांग्रेस समर्थकों के बीच एक मामूली झड़प हो गई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। गुरदासपुर सांसद एवं उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार जतिंदर कौर के पति सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आरोप लगाया कि आप के इशारे पर कुछ 'बाहरी लोगों' ने गांव में उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता की पिटाई की।

न्यूज इन ब्रीफ

बद्रीनाथ में पर्याप्त एसटीपी मौजूद होने का केवल दावा किया गया: एनजीटी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कहा है कि उत्तराखंड के अधिकारी अपने इस दावे को साबित करने में विफल रहे हैं कि तीर्थनगरी बद्रीनाथ में मलजल शोधन के लिए पर्याप्त सुविधाएं मौजूद हैं। एनजीटी ने बद्रीनाथ में अपर्याप्त सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके कारण गंगा नदी में बिना शोधन के मलजल छोड़ा जा रहा है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 13 नवंबर को पारित आदेश में कहा कि हालांकि राज्य के शहरी विकास सचिव हरित निकाय के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपस्थित हुए, लेकिन उन्होंने यह दिखाने के लिए कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की कि पर्याप्त सीवेज शोधन सुविधाएं हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरूण कुमार त्यागी और न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल तथा विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद भी शामिल थे।

कश्मीर में स्थिति नियंत्रण में, सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं : सीआरपीएफ महानिरीक्षक

श्रीनगर : सीआरपीएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को कहा कश्मीर में स्थिति नियंत्रण में है क्योंकि सभी सुरक्षा एजेंसियां बेहतर तालमेल के साथ काम कर रही हैं। 20 से 28 नवंबर तक आयोजित हो रही क्रिकेट प्रतियोगिता 'सीआरपीएफ कप श्रीनगर सेक्टर' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए सीआरपीएफ (श्रीनगर सेक्टर) के महानिरीक्षक पी के शर्मा ने कहा कि इसका उद्देश्य कश्मीर के युवाओं के साथ अधिकतम संपर्क स्थापित करना है। उन्होंने कहा, जैसा कि हम सभी जानते हैं कश्मीर में स्थिति नियंत्रण में है... सभी बल तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। सीआरपीएफ के महानिरीक्षक ने यहां शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में सीआरपीएफ कप श्रीनगर सेक्टर क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। सीआरपीएफ अधिकारी ने बताया कि टूर्नामेंट में 16 टीम हिस्सा ले रही हैं जिनमें से 12 श्रीनगर जिले से और दो-दो टीम बडगाम और गांदरबल जिलों से हैं। अगले महीने एक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

इंफाल घाटी में निषेधाज्ञा में रोज सुबह पांच बजे से 10 बजे तक ढील दी जाएगी

इंफाल : मणिपुर में इंफाल घाटी के पांच जिलों में लागू निषेधाज्ञा में रोज सुबह पांच बजे से 10 बजे तक ढील दी जाएगी, ताकि लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी कर सकें। बुधवार को जारी अधिसूचनाओं में यह जानकारी दी गई है। इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों के प्रशासन की ओर से जारी समान शब्दों वाली अधिसूचनाओं में कहा गया है कि निषेधाज्ञा में रोज सुबह पांच बजे से 10 बजे तक ढील दी जाएगी। इनमें कहा गया है, जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार के चलते आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंध में ढील देने की जरूरत है, ताकि लोग खाद्य वस्तु और दवा सहित अन्य आवश्यक चीजों की खरीदारी कर सकें।

दिल्ली-एनसीआर के 75 प्रतिशत परिवारों में कम से कम एक सदस्य प्रदूषण संबंधी रोग से ग्रस्त: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली : प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 75 प्रतिशत परिवारों में कम से कम एक सदस्य गले में खराश या खांसी से ग्रस्त है। हाल में हुए एक सर्वेक्षण में यह पता चला है। ऑनलाइन सामुदायिक मंच 'लोकलसर्किल्स' द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि इसमें (सर्वेक्षण में) भाग लेने वाले 58 प्रतिशत परिवारों के अनुसार, प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण उन्हें सिरदर्द की शिकायत है, जबकि 50 प्रतिशत परिवारों में कोई न कोई सदस्य सांस लेने में दिक्कत का सामना कर रहा या दमा से ग्रस्त है। सर्वेक्षण में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के 21,000 से अधिक निवासियों को शामिल किया गया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं थीं। सर्वेक्षण में कहा गया है, ''इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और दिल्ली के कुछ हिस्सों में पीएम2.5 के 1500 तक पहुंचने के बाद, लोकलसर्किल्स ने यह पता लगाने के लिए एक नया सर्वेक्षण किया कि दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तरों से कैसे निपट रहे हैं।''

अंतरराष्ट्रीय दबाव को अनदेखा कर ईरान हथियार-योग्य यूरेनियम का भंडार बढ़ा रहा है : संयुक्त राष्ट्र

विएना : संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था की गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने की अंतरराष्ट्रीय मांगों की अवहेलना की है तथा उसने अपने यूरेनियम संवर्द्धन भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक बढ़ा लिया है। यह रिपोर्ट मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को मिली। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 26 अक्टूबर तक ईरान के पास 60 प्रतिशत तक संवर्धित 182.3 किलोग्राम यूरेनियम है, जो अगस्त की अंतिम रिपोर्ट से 17.6 किलोग्राम अधिक है। साठ प्रतिशत शुद्धता पर संवर्धित यूरेनियम,

हथियार-स्तर के 90 प्रतिशत स्तर पर शुद्धता वाले यूरेनियम से तकनीकी रूप से कुछ ही कदम दूर है। आईएईए ने अपनी तिमाही रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया है कि 26 अक्टूबर तक ईरान के पास कुल 6,604.4 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है, जो अगस्त के 852.6 किलोग्राम भंडार से अधिक है। आईएईए की परिभाषा के अनुसार, 60 प्रतिशत शुद्धता तक संवर्धित यूरेनियम की मात्रा लगभग 42 किलोग्राम है, जिस पर अगर सामग्री को और 90 प्रतिशत तक संवर्धित किया जाए सैद्धांतिक रूप से एक परमाणु हथियार बनाना संभव है। ये रिपोर्ट ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आई हैं, जब इजराइल और ईरान ने गाजा में एक वर्ष से अधिक समय से जारी युद्ध के बाद हाल के महीनों में मिसाइल हमले किए हैं। गाजा पर ईरान समर्थित समूह हमास का शासन है।

न्यूज अपडेट

बिटकॉइन पोंजी घोटाला मामले में सीबीआई ने ऑडिट कंपनी के कर्मचारी को तलब किया

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के गेन बिटकॉइन पोंजी 'घोटाले' में उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर दर्ज मामले के सिलसिले में एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी गौरव मेहता को बुधवार को तलब किया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने मेहता को जल्द से जल्द मामले के जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल दिसंबर में मामला सीबीआई को सौंप दिया था। केंद्रीय एजेंसी ने गेन बिटकॉइन पोंजी योजना के संबंध में विभिन्न राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है। महाराष्ट्र और दिल्ली पुलिस ने वेरिएबल टेक पीटीई लिमिटेड, दिवंगत अमित भारद्वाज और अजय भारद्वाज तथा अन्य के खिलाफ कथित तौर पर 'मल्टी-लेवल-मार्केटिंग' (एमएलएम) योजनाएं चलाने के लिए कई मामले दर्ज किए थे, जिनके माध्यम से उन्होंने 2017 में निवेशकों से बिटकॉइन के रूप में लगभग 6,600 करोड़ रुपये एकत्र किए और क्रिप्टोकरेंसी (आभासी मुद्रा) में 10 फीसदी रिटर्न की पेशकश की। बिटकॉइन एक क्रिप्टोकरेंसी है, जिस पर किसी भी देश के केंद्रीय बैंक का नियंत्रण नहीं है। सीबीआई ने मेहता के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद नोटिस जारी किया है।

दिल्ली में मौसम की सबसे सर्द रात, प्रदूषण चरम पर

नयी दिल्ली : दिल्ली में बुधवार को भी जहरीली हवा और प्रदूषण चरम पर रहा और राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 426 दर्ज किया गया जो ''गंभीर'' श्रेणी में है। इसके अलावा बीती रात को दिल्ली में इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार रात को न्यूनतम तापमान गिरकर 11.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान में गिरावट के साथ घना कोहरा छाया रहा, जिससे सुबह 8.30 बजे तक दृश्यता घटकर 500 मीटर रह गई। आईएमडी ने पूरे दिन घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। सुबह आर्द्रता का स्तर 84 प्रतिशत रहा। दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बुधवार को सुबह नौ बजे दिल्ली में एक्यूआई 426 था। चार सौ या इससे अधिक एक्यूआई को ''गंभीर'' श्रेणी में माना जाता है, जिससे स्वस्थ व्यक्तियों और पहले से किसी चिकित्सा संबंधी समस्या से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होता है।

महाराष्ट्र विस चुनाव में शाहरुख खान, सलमान खान सहित बॉलीवुड हस्तियों ने किया मतदान

मुंबई : अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और रणबीर कपूर सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोट डाला। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान हुआ। मुंबई में शुरुआत में मतदान करने वालों में अभिनेता अक्षय कुमार, राजकुमार राव, अभिनेता-निर्देशक फरहान अख्तर, उनकी निर्देशक-निर्माता बहन जोया अख्तर, वरिष्ठ अभिनेत्री शुभा खोटे और उनकी बेटी भावना बलसावर शामिल थीं। अक्षय कुमार ने मतदान के बाद संवाददाताओं से कहा, सबसे अच्छी बात यह

है कि (मतदान केंद्र पर) खासकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यवस्था अच्छी है, वहां साफ-सफाई है। हर किसी को मतदान करना चाहिए क्योंकि यह एक जरूरी चीज है।'' राजकुमार राव ने भी लोगों से मतदान करने की अपील की। फिल्म 'स्त्री 2' के अभिनेता राव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''लोकतंत्र में वोट करना हमारा अधिकार है, इसलिए यह जरूरी है कि हम घर से बाहर निकलें और मतदान करें। मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। अब आपकी बारी है।''

महाराष्ट्र चुनाव में बिटकॉइन इस्तेमाल के आरोप; ऑडिट कंपनी के कर्मी के परिसरों पर ईडी का छापा

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र में बिटकॉइन के राजनीतिक लेनदेन मामले से कथित रूप से जुड़े एक ऑडिट कंपनी के कर्मचारी के छत्तीसगढ़ स्थित परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौरव मेहता के घर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता एवं बारामती से सांसद सुप्रिया सुले तथा कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले की कथित आवाज वाली रिकॉर्डिंग सुनाई और आरोप लगाया कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए बिटकॉइन को भुनाने का प्रयास किया जा रहा था। मेहता का नाम पूर्व आईपीएस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने भी लिया था, जिन्हें 2018 के क्रिप्टोकरंसी ''धोखाधड़ी'' मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी जांच पुणे पुलिस कर रही है। पाटिल ने दावा किया कि मेहता ने सिग्नल ऐप पर उनके साथ 10 वॉयस नोट साझा किए थे जिनमें सुले, पटोले और आईपीएस अधिकारी अमिताभ गुप्ता (पूर्व पुणे पुलिस आयुक्त) तथा गिरफ्तारी के समय पुणे में पुलिस उपायुक्त (साइबर) रहीं भाग्यश्री नवटेके की कथित ऑडियो क्लिप थीं।

पमरे ने सात माह में 832 कोचों और 4034 वैगनों की मरम्मत की

जबलपुर : पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों/वैगनों का पीरीयोडिक ओवर हालिंग का कार्य किया जाता है। दोनों कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो में कोचों/वैगनों का अनुरक्षण करके अच्छा प्रदर्शन किया है। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से अक्टूबर यानि सात माह में सीआरडब्लूएस/भोपाल एवं डब्लूआरएस/कोटा दोनों कारखानों में कुल 4866 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवर हॉलिंग किया गया, जिसमें सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 832 कोचों का अनुरक्षण किया तथा कोटा वैगन रिपेयर वर्कशॉप ने 4034 वैगनों का अनुरक्षण कार्य किया। जबकि गतवर्ष इस अवधि में दोनों कारखानों ने 771 कोचों और 3927 वैगनों सहित कुल 4698 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवर हॉलिंग कर मरम्मत किया गया था। इस प्रकार गतवर्ष की तुलना में दोनों कारखानों ने लगभग 4 प्रतिशत अधिक कोचों/वैगनों का पीओएच आउटटर्न किया है।

पिरियोडिक ओवर हॉलिंग (पीओएच) के दौरान निम्न कार्य किये जाते हैं :-

* कोच और वैगन के बॉडी और अंडर गियर की मरम्मत की जाती है, जिससे परिचालन में सरंक्षा सुनिश्चित की जा सके।
* कोचों और वैगनों के नीचे ट्रॉली, बोगी के सभी पार्ट्स की मरम्मत की जाती है, जो सरंक्षा की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है।
* एयर ब्रेक सिस्टम के सभी पार्ट एवं वैगनों और कोचों के दोनों ओर के बफ़र की मरम्मत की जाती है जिससे सरंक्षा में बढ़ोत्तरी एवं जर्क फ्री राइडिंग का अनुभव होता है।
* व्हील और एक्सल की मरम्मत एवं रखरखाव किया जाता है, जिससे सुरक्षा में इजाफा होता है।

एनआईए ने कश्मीर में आतंकवाद फैलाने की साजिश में शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों द्वारा रची गई साजिश में शामिल होने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संघीय एजेंसी ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एनआईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक पिछले चार वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा मुनीर अहमद बंदे जम्मू-कश्मीर और भारत के अन्य हिस्सों में आतंकवाद फैलाने के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से रची गई साजिश का अहम हिस्सा था। एनआईए ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल-मुजाहिद्दीन जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के गुर्गों की संलिप्तता वाली साजिश का जून 2020 में उस समय पता लगा जब हंदवाड़ा पुलिस ने वाहन की जांच के दौरान दो किलोग्राम हेरोइन और 20 लाख रुपये नकद जब्त करने के बाद मामला दर्ज किया। एक अन्य आरोपी अब्दुल मोमीन पीर के वाहन को बारामूला से आते समय रोका गया। पीर से पूछताछ और उसकी निशानदेही पर 15 किलोग्राम हेरोइन और 1.15 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। एनआईए ने बयान में कहा, ''एनआईए ने 2020 के कश्मीर में मादक पदार्थ की तस्करी से अर्जित धन से आतंकवाद फैलाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए मादक पदार्थों की तस्करी से धन अर्जित करने की पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की साजिश से जुड़ा है।''

भारत 'कंटेंट क्रिएटर' आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है : अश्विनी वैष्णव

पणजी : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत 'कंटेंट क्रिएटर' आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने, देश की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति तथा भाषाओं और साहित्य की विविधता को प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वैष्णव ने यहां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के उद्घाटन समारोह में अपने वीडियो संबोधन में कहा कि प्रौद्योगिकी और रचनाकारों के पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के साथ, भारत वैश्विक स्तर पर मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, ''हम भारत में इस समय कंटेंट क्रिएटर आधारित अर्थव्यवस्था को

विकसित करने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारे पास एक बहुत ही जीवंत क्रिएटर्स की अर्थव्यवस्था है, जहां लोग भारत की कुछ बहुत ही समृद्ध विरासत, भारत के व्यंजनों, भारत की संस्कृति एवं भारतीय भाषा और साहित्य के दिग्गजों को प्रदर्शित करते हुए बहुत ही अभिनव एवं शानदार सामग्री लेकर आ रहे हैं।'' सिनेमा और साहित्य के अलावा कला के अन्य क्षेत्रों में सृजनात्मक कार्य करने वालों को 'कंटेंट क्रिएटर' कहा जाता है। इस बीच, 55वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का शुभारंभ यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ।

यदि भारत रॉकेट सेंसर बना सकता है, तो वह कार सेंसर भी बना सकता है: इसरो प्रमुख सोमनाथ

बेंगलुरु : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि कार सेंसर के लिए आयात पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू स्तर पर इसका विनिर्माण किया जाना चाहिए। सोमनाथ ने बेंगलुरु प्रौद्योगिकी सम्मेलन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा विषय पर आयोजित सत्र में किफायती उत्पादन के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान कर्नाटक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नीति का मसौदा भी जारी किया गया। उन्होंने कहा कि यद्यपि भारत रॉकेट सेंसर के उत्पादन में महत्वपूर्ण निवेश करता है, लेकिन कार सेंसर की उच्च उत्पादन लागत के कारण घरेलू विनिर्माण कम व्यवहार्य हो जाता है।

सोमनाथ ने कहा, ''कार सेंसर के लिए व्यवहार्यता तभी प्राप्त की जा सकती है जब उत्पादन लागत कम हो और विनिर्माण का स्तर बढ़ाया जाए।'' उन्होंने इस चुनौती से निपटने के लिए उद्योग जगत के साथ अधिक सहयोग का आह्वान किया तथा कहा कि शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत नीतिगत हस्तक्षेप से समाधान मिल सकता है। सोमनाथ ने निजी क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के वास्ते 2020 के अंतरिक्ष क्षेत्र सुधारों और 2023 की अंतरिक्ष नीति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''इस क्षेत्र में बहुत रुचि ली जा रही है। मैंने सुना है कि कई लोग भारत में अगला स्पेसएक्स बनाने की इच्छा रखते हैं।'' संबंधित प्रगति पर प्रकाश डालते हुए सोमनाथ ने बताया कि वर्तमान में पांच कंपनियां उपग्रहों का निर्माण कर रही हैं तथा कई कंपनी रॉकेट और उपग्रहों के लिए उप-प्रणालियां विकसित करने की अपनी क्षमता बढ़ा रही हैं। इस सत्र में अन्य महत्वपूर्ण वक्ताओं में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक बी के दास और अमेरिका की उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर भी शामिल थीं। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे तथा इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव एकरूप कौर भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। खरगे ने कहा कि मसौदा नीति में कर्नाटक को राष्ट्रीय अंतरिक्ष बाजार में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

पू. सी. रेलवे द्वारा 39 ट्रेनों में सामान्य श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे

मालीगांव : भारतीय रेल (आईआर) साधारण श्रेणी के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है। बेहतर सेवाएं प्रदान करने और बढ़ती यात्री मांगों को समायोजित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, भारतीय रेल ने नवंबर, 2024 तक लगभग 370 नियमित ट्रेनों में 1,000 से अधिक नए जीएस (जनरल सीटिंग) कोच जोड़ने की योजना बनाई है। यह पहल प्रतिदिन लगभग 1 लाख अतिरिक्त यात्रियों को जीएस कोचों में यात्रा करने में सक्षम बनाती है, जो रेलवे के समावेशिता और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने का प्रदर्शन करती है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे भी इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो

भारतीय रेल की सफलता में योगदान दे रहा है। हाल ही में, पू. सी. रेलवे ने 36 ट्रेनों/69 रेकों में 276 जीएस कोचों की बढ़ोतरी की है, जो अपने जोन और इसके बाहरी यात्रियों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पू. सी. रेलवे ने दिसंबर, 2024 के अंत तक तीन अतिरिक्त ट्रेनों में 16 और जीएस कोचों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है। ये प्रयास यात्री सेवाओं में सुधार लाने और ट्रेन यात्रा को समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक आरामदायक और समावेशी बनाने हेतु पू. सी. रेलवे के समर्पण को रेखांकित करते हैं। रेल यात्रा में बढ़ती सार्वजनिक रुचि को स्वीकार करते हुए, आईआर अपनी ट्रेनों में जीएस कोचों की संख्या बढ़ाकर अपने बेड़े का विस्तार करने संबंधी प्रयासों को तेज कर रहा है। सिर्फ जुलाई से अक्टूबर तक, लगभग 370 ट्रेनों में 600 जीएस कोच जोड़े गए, जिनकी कुल संख्या नवंबर, 2024 तक 1,000 तक पहुँचेगी। इसके अलावा, अगले दो वर्षों में 6,000 से अधिक जीएस कोच और अतिरिक्त स्लीपर-क्लास कोच सहित 10,000 से अधिक गैर-वातानुकूलित कोचों को शामिल करने की योजना है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखा

राजगीर : 'गोल्डन गर्ल' दीपिका के टूर्नामेंट में 11वें गोल की मदद से भारत ने ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखा। पिछले साल रांची में और 2016 में सिंगापुर में यह खिताब जीत चुकी भारतीय टीम ने जबर्दस्त तालमेल और संयम का परिचय देते हुए चीन को हाशिये पर रखा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पर पहला शॉट चूक गया लेकिन गेंद सर्कल के भीतर ही थी और नवनीत की स्टिक से डिफ्लैक्ट होकर दीपिका के पास पहुंची जिसने शानदार फ्लिक से उसे गोल के भीतर डाला। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढत दुगुनी करने का सुनहरा मौका था लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया। भारत को चौथे क्वार्टर में भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वैरिएशन का कोई नतीजा नहीं निकला। इससे पहले चीन ने शुरुआती मिनट से गेंद पर नियंत्रण के मामले दबदबा बनाये रखा। पहले हाफ में हालांकि भारतीय टीम आठ बार चीन के सर्कल में घुसी और चीनी टीम पांच बार ही हमले बोल सकी लेकिन उसने भारतीय खिलाड़ियों को गेंद आसानी से नहीं लेने दी। वहीं भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर फिनिशंग टच के लिये जूझते रहे। जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में 16 पेनल्टी कॉर्नर में से एक भी तब्दील नहीं कर सकी भारतीय टीम की कमजोरी फाइनल में पहले 30 मिनट में फिर देखने को मिली जब उसे मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। भारत के पास चौथे मिनट में गोल करने का मौका था जब सुनेलिटा टोप्पो दाहिने फ्लैंक से अकेले गेंद लेकर आगे बढी लेकिन उनके प्रयास को चीन की गोलकीपर ने नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में तीसरे ही मिनट में चीन को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन तान झिझुयांग के शॉट को भारतीय गोलकीपर बिछू देवी ने दाहिने ओर डाइव लगाकर बचाया और रिबाउंड पर भी गोल नहीं होने दिया। इस बीच भारत को 20वें से 21वें मिनट के भीतर मिले चार पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। पहले पर दीपिका का शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया जबकि दूसरा गोलकीपर ने और तीसरा डिफेंडर ने बचाया। चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर वैरिएशन भी असफल रहा। चीन को 23वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका। ब्रेक से तीन मिनट पहले भारत के पास खाता खोलने का मौका था लेकिन लालरेम्सियामी के पास पर शर्मिला का शॉट बार से टकराकर निकल गया। तीसरे स्थान के मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 4-1 से हराया।

बिहार सरकार भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक सदस्य को 10 लाख रुपये का पुरस्कार देगी

राजगीर (बिहार) : बिहार सरकार ने बुधवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपये का पुरस्कार देने का फैसला किया। भारत ने फाइनल में मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को टूर्नामेंट के दौरान राजगीर हॉकी स्टेडियम में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 10 लाख रुपये मिलेंगे।' मुख्य कोच हरेंद्र सिंह और उनके सहयोगी स्टाफ को भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार द्वारा पुरस्कार दिया जाएगा।

हार्दिक टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की सूची में फिर शीर्ष पर, तिलक बल्लेबाजों में तीसरे स्थान पर

दुबई : भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बुधवार को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए जबकि उभरते हुए स्टार खिलाड़ी और टीम के उनके साथी तिलक वर्मा भी 69 स्थान की लंबी छलांग के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। हार्दिक ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 श्रृंखला के दौरान गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने चार मैच की श्रृंखला के दूसरे मैच में नाबाद 39 रन की पारी खेली जबकि चौथे और अंतिम मुकाबले में आठ रन देकर एक विकेट चटकाया जिससे भारत को 3-1 से श्रृंखला जीतने में मदद मिली। हार्दिक दूसरी बार टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में नंबर एक बने हैं। वह इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। पंड्या आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे वर्मा ने दो शतक की मदद से 280 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 69 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। वह भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से चौथे पायदान पर हैं। भारत के संजू सैमसन भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दो शतक की बदौलत बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा और नाथन एलिस को टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे अधिक फायदा हुआ है।

लक्ष्य को अब भी है ओलंपिक में पदक से चूकने का मलाल, फिटनेस और लय पर है ध्यान

शेनझेन (चीन) : भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने स्वीकार किया कि ओलंपिक पदक से चूकने का दर्द अब भी बरकरार है लेकिन उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान पूरी तरह से फिट होने और बाकी बची प्रतियोगिताओं में मजबूत प्रदर्शन के साथ अगले सत्र से पहले लय हासिल करने पर है। उत्तराखंड के इस खिलाड़ी को अगस्त में बड़ा झटका लगा था जब पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के प्लेऑफ में मलेशिया के दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली जी जिया के खिलाफ बेहतर स्थिति में होने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। तब से उन्हें जूझना पड़ रहा है और वह पिछले तीन टूर्नामेंट में वह जल्दी बाहर हो गए। मंगलवार को लक्ष्य ने हालांकि ली को तीन गेम में हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर राहत की सांस ली होगी। तेइस साल के लक्ष्य ने ली के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-14, 13-21, 21-13 की जीत दर्ज करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'वह कड़ा टूर्नामेंट था। एक तरह से इसने मुझे बहुत सारी सकारात्मक चीजें दीं लेकिन इतने करीब आकर चूकने से अब भी थोड़ा दुख होता है। मुझे लगता है कि यह अब भी कुछ समय तक दुख देगा।' उन्होंने कहा, 'मैं बस यही कोशिश कर रहा हू कि इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिले और मैं खुद को बेहतर बैडमिंटन खिलाड़ी बनने के लिए प्रेरित करूं।

न्यूज अपडेट

नयनिका ने एक शॉट की बढ़त हासिल की

हैदराबाद : भारतीय गोल्फर नयनिका सांगा ने बुधवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 15वें और अंतिम चरण के पहले दिन चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेलकर एक शॉट से बढ़त हासिल की। डब्ल्यूपीजीटी पर अपने पहले खिताब की कोशिश में जुटीं 20 साल की नयनिका ने पहले दिन सात बर्डी लगाई जिसमें से तीन 'बैक नाइन' में 11वें से 13वें होल में रहीं। इस तरह नयनिका ने पिछले हफ्ते की विजेता हिताशी बख्शी (69) और जैस्मीन शेखर (69) पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है। चार गोल्फर अमनदीप ड्राल, गौरिका बिश्नोई और स्नेहा सिंह के साथ श्रीलंका की काया दौलुवाटे दो अंडर 70 के कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

विश्व कप एशियाई क्वालीफायर : जापान क्वालिफिकेशन के करीब, इंडोनेशिया से हारा सऊदी अरब

शियामेन : चीन को 3-1 से हराकर जापान लगातार आठवीं बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है जबकि उससे नौ अंक पीछे दूसरे स्थान पर काबिज आस्ट्रेलिया ने एशियाई क्वालीफाइंग दौर में बहरीन से 2-2 से ड्रॉ खेला। चीन को सितंबर में अपनी धरती पर 7-0 से हराने के बावजूद जापान को इस मैच में पहला गोल करने में 39 मिनट लगे। कोकी ओगावा ने हेडर पर यह गोल दागा जबकि दूसरा गोल को इताकुरा ने किया। चीन के लिये लिन लियांगमिन ने दूसरे हाफ में गोल किया लेकिन ओगावा ने इसके तुरंत बाद दूसरा गोल दाग दिया। जापान के छह मैचों में 16 अंक है जबकि ग्रुप सी के चार मैच बाकी है। आस्ट्रेलिया सात अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इंडोनेशिया ने जकार्ता में खेले गए मैच में मार्शेलिनो फर्डिनन के दो गोल के दम पर सउदी अरब को 2-0 से हराया। आखिरी बार इंडोनेशिया ने 1938 में विश्व कप खेला था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने फलस्तीन से 1-1 से ड्रॉ खेला लेकिन इसके बावजूद वह 14 अंक लेकर शीर्ष पर है। इराक तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। ग्रुप ए में ईरान ने किर्गीस्तान को 3-2 से हराया। ईरान 16 अंक लेकर शीर्ष पर और उजबेकिस्तान तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

लक्ष्य, सिंधू और मालविका चाइना मास्टर्स के दूसरे दौर में

शेनजेन (चीन) : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू सहित लक्ष्य सेन और फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ ने बुधवार को यहां अपने मुकाबले जीतकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। महिलाओं के वर्ग में सिंधू ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरूंगफान को 50 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 21-17, 21-19 से मात दी। वहीं मालविका (36वीं रैंकिंग) ने डेनमार्क की लिने होजमार्क जाएर्सफेल्ट (21वीं रैंकिंग) पर 20-22, 23-21, 21-16 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में लक्ष्य ने मलेशिया के सातवे वरीय ली जि जिया पर 57 मिनट में 21-14, 13-21, 21-13 की जीत से ओलंपिक कांस्य पदक मुकाबले में मिली हार का बदला चुकता किया। लक्ष्य का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके और जापान के केंटा निशिमोटो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। लक्ष्य पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक मैच में बढ़त बनाने के बावजूद ली से हार गये थे। दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू की विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज बुसानन के खिलाफ 21 मुकाबलों में सिंधू की 20वीं जीत थी। दोनों ने बराबरी से शुरूआत की और सिंधू की दो सहज गलतियों का फायदा उठाकर बुसानन ने 14-10 की बढत बना ली। सिंधू ने अगले नौ अंक बनाकर 19-14 की बढत हासिल की और पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में बुसानन ने मजबूती से शुरूआत की और बढत भी बनाई लेकिन सिंधू ने वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। पेरिस में मिली हार के बाद लक्ष्य ने अपनी पहली भिड़ंत के पहले गेम में 11-4 से बढ़त बनाकर इसें जीत लिया। दूसरे गेम में ली वापसी करते हुए 7-1 से आगे थे और इसे 17-8 तक ले गये और इसे जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

उड़ान में देरी के बारे में यात्रियों को समय पर सूचित करें एयरलाइन कंपनियां: नागर विमानन मंत्री

नयी दिल्ली : नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने बुधवार को कोहरे को लेकर तैयारियों पर विभिन्न संबंधित इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने एयरलाइन कंपनियों से उड़ान में देरी के बारे में यात्रियों को सक्रिय रूप से सूचित करने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने को कहा कि यात्रा में व्यवधान को कम करने में मदद के लिए 'चेक-इन' काउंटर पर सभी कर्मचारी हों। नागर विमानन मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'इस सर्दी में दृश्यता से संबंधित चुनौतियों के प्रबंधन की तैयारी सही दिशा में बढ़ रही है और बाधाओं को दूर करने में अच्छी प्रगति हुई है।' बैठक में नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअल्नम, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय), बीसीएएस (नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो), भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), दिल्ली हवाईअड्डा संचालक एजेंसी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) और एयरलाइन कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित अन्य ने भाग लिया।

नोकिया को भारती एयरटेल से भारत में अरबों डॉलर का 5जी विस्तार का ठेका मिला

नयी दिल्ली : फिनलैंड की दूरसंचार उपकरण कंपनी नोकिया ने भारती एयरटेल से कई साल का, कई अरब डॉलर का सौदा हासिल किया है। इसके तहत नोकिया भारत के प्रमुख शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण लगाएगी। बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। अनुबंध के अनुसार, नोकिया अपने 5जी एयरस्केल पोर्टफोलियो से उपकरण तैनात करेगी। इनमें बेस स्टेशन, बेसबैंड इकाइयां और विशाल एमआईएमओ रेडियो की नवीनतम पीढ़ी शामिल है, जो सभी इसकी ऊर्जा-कुशल 'रीफशार्क सिस्टम-ऑन-चिप तकनीक' द्वारा संचालित हैं। बयान में कहा गया, नोकिया को भारती एयरटेल द्वारा प्रमुख भारतीय शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण तैनात करने के लिए कई वर्षों के लिए कई अरब डॉलर का विस्तार ठेका दिया गया है। ये समाधान एयरटेल के नेटवर्क को असाधारण 5जी क्षमता और कवरेज के साथ बढ़ाएंगे और इसके नेटवर्क विकास का समर्थन करेंगे। नोकिया मल्टीबैंड रेडियो और बेसबैंड उपकरणों के साथ एयरटेल के मौजूदा 4जी नेटवर्क को भी आधुनिक बनाएगी, जो 5जी को भी सहयोग कर सकते हैं। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा, नोकिया के साथ यह रणनीतिक साझेदारी हमारे नेटवर्क बुनियादी ढांचे को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगी और ग्राहकों को अद्वितीय उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगी। यह साझेदारी ऐसा नेटवर्क भी उपलब्ध कराएगी जो पर्यावरण अनुकूल होगा।

गोदरेज ने कोलकाता में 53 एकड़ जमीन खरीदी

कोलकाता : रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने एक परियोजना के निर्माण के लिए कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिसकी राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। गोदरेज प्रॉपर्टीज भारत की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने कोलकाता के जोका में करीब 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा, '' प्रस्तावित परियोजना में 13 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र की विकास क्षमता होने का अनुमान है, जिसमें मुख्य रूप से आवासीय प्लॉट का विकास शामिल है। इसकी अनुमानित राजस्व क्षमता 500 करोड़ रुपये है।'' कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा, 'यह भूमि अधिग्रहण भारत के प्रमुख शहरों में हमारी उपस्थिति को गहरा करने की हमारी रणनीति के अनुकूल है। हमारा लक्ष्य जोका में एक उत्कृष्ट प्लॉट विकास परियोजना का निर्माण करना है...'

दूसरी तिमाही में सुस्ती पीछे छूटी, निजी खपत से घरेलू मांग को मिल रही गति: आरबीआई

मुंबई : देश में दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती अब बीते दिनों की बात है। त्योहारों के दौरान खर्च से निजी खपत मांग को गति दे रही है और मध्यम अवधि का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपने बुलेटिन में यह कहा है। नवंबर माह के बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में यह भी कहा गया है कि चुनौतियों और बढ़ते संरक्षणवाद के बीच 2024 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। इसमें कहा गया, 'देश में, 2024-25 की दूसरी तिमाही में जो कुछ सुस्ती देखी गयी थी, वह अब पीछे छूट गई है। इसका कारण यह है कि निजी खपत घरेलू मांग को गति दे रही है और त्योहारों के दौरान खर्च ने तीसरी तिमाही में वास्तविक गतिविधियों को बढ़ाया है। लेख में कहा गया, 'मध्यम अवधि का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है क्योंकि वृहद आर्थिक बुनियाद की स्वाभाविक ताकत खुद को फिर से स्थापित कर रही है।' आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली टीम के लिखे इस लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है। इसका कारण त्योहार से जुड़ी खपत और कृषि क्षेत्र में सुधार है।

पीएम गतिशक्ति के तहत 15.89 लाख करोड़ रुपये की 228 ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी की सिफारिश

नयी दिल्ली : उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पीएम गतिशक्ति पहल के तहत सड़क और रेलवे सहित विभिन्न मंत्रालयों की 15.89 लाख करोड़ रुपये की 228 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अबतक मंजूरी के लिए सिफारिश की गयी है। इन परियोजनाओं की सिफारिश 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गई पीएम गतिशक्ति पहल के तहत गठित नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) ने की है। ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अबतक इस पहल के तहत 1,588,919 लाख करोड़ रुपये की 228 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है।'' पीएम गतिशक्ति प्रणाली के उपयोग के कई लाभ हैं। इसमें इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए समय और लागत में उल्लेखनीय कमी शामिल है। समूह की सिफारिश वाली परियोजनाओं की अधिकतम संख्या सड़क (108) क्षेत्र में है। इसके अलावा रेलवे (85), शहरी विकास (12) और चार तेल और गैस मंत्रालय से संबंधित हैं। अंतर-मंत्रालयी नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप की हर पखवाड़े बैठक होती है। यह विभिन्न परियोजनाओं के लिए हो रहे प्रयासों को एक साथ लाने और परियोजना स्थान के आसपास व्यापक विकास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन करता है। यह पहल लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए एक एकीकृत बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए की गई है। 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली सभी लॉजिस्टिक और संपर्क संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाएं एनपीजी के जरिये आती हैं। वित्त मंत्रालय के तहत सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) या व्यय विभाग द्वारा परियोजना की मंजूरी से पहले एनपीजी की अनुमति आवश्यक है। एनपीजी में संपर्क से जुड़े विभिन्न बुनियादी ढांचा मंत्रालयों/विभागों का प्रतिनिधित्व है। इसमें एकीकृत योजना और प्रस्तावों के एकीकरण के लिए नेटवर्क योजना विभाग के प्रमुख शामिल हैं। ये सभी विभाग योजना स्तर पर डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बनाने से पहले अनुमोदन के लिए एनपीजी से संपर्क करते हैं। एनपीजी की मंजूरी के बाद, परियोजना के लिए वित्त मंत्रालय और मंत्रिमंडल से अनुमोदन की सामान्य प्रक्रिया का पालन किया जाता है। ठाकुर ने यह भी कहा कि विभाग अद्यतन भूमि रिकॉर्ड आंकड़ों के एकीकरण के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर योजना की सुविधा के लिए जिला मास्टर प्लान पर भी काम चल रहा है। शुरुआती चरण में, योजना 27 आकांक्षी जिलों के लिए शुरू की गई थी।

भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता: समझौता शीघ्र पूरा करने के लिए मतभेदों को पाटना चाहते हैं दोनों पक्ष

नयी दिल्ली : भारत और ब्रिटेन प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा करने के लिए मतभेद दूर करने का प्रयास करेंगे। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। ब्रिटेन ने अगले साल की शुरुआत में इस समझौते पर वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद मंगलवार को कहा था कि भारत के साथ व्यापार वार्ता नए साल में, नए सिरे से फिर से शुरू की जाएगी। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए वार्ता जनवरी 2022 में शुरू हुई थी। दोनों देशों में आम चुनाव के बीच 14वें दौर की वार्ता रुक गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा, '' हम नए वर्ष में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार वार्ता पुनः शुरू करने की ब्रिटेन की घोषणा का स्वागत करते हैं।'' मंत्रालय ने कहा कि भारत संतुलित, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दूरदर्शी एफटीए सुनिश्चित करने के महत्व पर ध्यान देते हुए पारस्परिक संतुष्टि के लिए शेष मुद्दों को सुलझाने के उद्देश्य से ब्रिटेन के वार्ता दल के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है। राजनयिक माध्यमों से जल्द ही तारीखों पर अंतिम फैसला किया जाएगा। इस बयान में कहा गया, 'एफटीए वार्ता में अभी तक हासिल प्रगति पर चर्चा फिर से शुरू की जाएगी और व्यापार समझौते को शीघ्रता से पूरा करने के लिए इस अंतराल को पाटने का प्रयास किया जाएगा।' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने समझौते पर अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए 11 जुलाई को एक ऑनलाइन बैठक भी की थी। इससे पहले '10 डाउनिंग स्ट्रीट' (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) की ओर से मंगलवार को जारी बयान में द्विपक्षीय बैठक के बाद स्टॉर्मर के हवाले से कहा गया था, 'भारत के साथ एक नया व्यापार समझौता ब्रिटेन में नौकरियों तथा समृद्धि को बढ़ावा देगा। यह हमारे देश में वृद्धि और अवसर प्रदान करने के हमारे अभियान को एक कदम और आगे बढ़ाएगा।' भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2022-23 में 20.36 अरब अमेरिकी डॉलर से 2023-24 में बढ़कर 21.34 अरब डॉलर हो गया।

न्यूज अपडेट

सोना 150 रुपये टूटा, चांदी में 500 रुपये की गिरावट

नयी दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोरी के रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 150 रुपये गिरकर 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। स्थानीय बाजार सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सिक्का निर्माताओं और औद्योगिक इकाइयों के कमजोर उठान के कारण चांदी भी 500 रुपये गिरकर 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार को 77,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद के मुकाबले 150 रुपये गिरकर 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

यातायात 'रडार' उपकरण सत्यापन के लिए नए नियम लाने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली : सरकार यातायात 'रडार' उपकरणों के अनिवार्य सत्यापन तथा मुहर लगाने संबंधी नए नियमों को लागू करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य देश भर में सड़क सुरक्षा में सुधार करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के विधिक माप विज्ञान प्रभाग ने भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशालाओं, निर्माताओं और वाहन प्रमाणन संगठनों सहित हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद मसौदा नियमों को अंतिम रूप दिया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, '' विभिन्न परामर्श के दौरान प्राप्त सुझावों पर गौर किया गया और नियमों को शीघ्र ही अधिसूचित किया जाएगा।'' नए नियम विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के अंतर्गत आते हैं। यह सड़कों पर वाहनों की गति मापने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले 'माइक्रोवेव डॉपलर रडार' उपकरण के लिए लागू होंगे। नए ढांचे के तहत सभी गति माप उपकरणों को सत्यापन से गुजरना होगा और इन्हें लगाए जाने से पहले इन पर आधिकारिक मुहर लगी होनी चाहिए। इस प्रक्रिया का मकसद गति और दूरी माप के लिए सटीक 'रीडिंग' सुनिश्चित करना है, जो यातायात कानून प्रवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। ये नियम ऐसे समय में लागू किए गए हैं जब सरकार सड़क सुरक्षा रिकॉर्ड में सुधार करना चाहती है। उल्लंघनों की पहचान करने और खतरनाक 'ड्राइविंग' को रोकने के लिए सटीक गति पहचान को महत्वपूर्ण माना जाता है।

ईपीएफओ ने सितंबर में 18.81 लाख सदस्य जोड़े

नयी दिल्ली : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सितंबर में 18.81 लाख सदस्यों को जोड़ा है। यह बीते साल के इसी महीने के मुकाबले 9.33 प्रतिशत अधिक है। इससे पता चलता है कि संगठित क्षेत्र में नौकरियां बढ़ी हैं। ईपीएफओ के नियमित वेतन पर रखने वाले कर्मचारियों (पेरोल) के आंकड़ों के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने सितंबर, 2024 में 9.47 लाख नये सदस्य जोड़े। यह सितंबर, 2023 के मुकाबले 6.22 प्रतिशत अधिक है। इसमें कहा गया है कि नई सदस्यता में वृद्धि का श्रेय रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों को दिया जा सकता है। बयान के अनुसार, ईपीएफओ ने सितंबर, 2024 के लिए अस्थायी 'पेरोल' आंकड़ा जारी किया है। इसके तहत उसकी समाजिक सुरक्षा योजना से शुद्ध रूप से 18.81 लाख सदस्य जुड़े। यह सितंबर, 2023 की तुलना में 9.33 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध रूप से जोड़े गये सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग के लोग अधिक है। सितंबर 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में इनकी हिस्सेदारी 59.95 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि सितंबर, 2024 के लिए 18-25 आयु वर्ग में 8.36 लाख सदस्य जुड़े। यह सितंबर, 2023 के आंकड़ों की तुलना में 9.14 प्रतिशत अधिक है। यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है। यह बताता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं। मुख्य रूप से ये वे लोग हैं, जिन्हें पहली बार नौकरी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग 14.10 लाख सदस्य बाहर निकल गए और बाद में ईपीएफओ में फिर से शामिल हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 18.19 प्रतिशत अधिक है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4065 अंक 215, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in